दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-146 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 18 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का अधिकार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम और बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया है कि किसी भी व्यक्ति की नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चुनाव आयोग का काम केवल मतदाता सूची का नियंत्रण और देखरेख करना है, नागरिकता छीनना या देना नहीं। इसलिए अगर किसी का नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो इसका मतलब यह कतई नहीं है कि उसकी भारतीय नागरिकता अपने आप खत्म हो गई है। इस टिप्पणी के साथ ही कोर्ट ने उन लोगों को बड़ी राहत दी है जिनके नाम इस विशेष अभियान के तहत सूची से हटाए गए हैं।

संबंधित मंत्रालय तय करेगा नागरिकता, कानून में कोई भ्रम नहीं

मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की तीन सदस्यीय विशेष पीठ इस संवेदनशील मामले की सुनवाई कर रही है। बेंच में शामिल जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने बिहार SIR मामले का हवाला देते हुए कहा कि कानून की स्थिति पूरी तरह साफ है। अगर कोई अपीलीय ट्रिब्यूनल किसी व्यक्ति का नाम SIR सूची में शामिल न करने का फैसला सुनाता है, तो भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) को नागरिकता के निर्धारण के लिए उस मामले को सीधे संबंधित केंद्रीय मंत्रालय के पास भेजना होगा, क्योंकि आयोग के पास इसका अधिकार ही नहीं है।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायण ने कोर्ट के सामने बेहद चौंकाने वाले आंकड़े और जमीनी हकीकत रखी। उन्होंने दलील दी कि राज्य में करीब 33.5 लाख अपीलें अभी भी लंबित पड़ी हैं। अपीलों के इस तरह अटके रहने के कारण सबसे बड़ा नुकसान गरीब जनता को हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से नाम हटने या अपील पेंडिंग होने के बहाने लोगों को राशन (PDS), अन्नपूर्णा योजना और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी सुविधाओं के लाभ से जबरन वंचित किया जा रहा है, जो कि पूरी तरह गलत है।

प्रधानमंत्री ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाई हरी झंडी, बोले- जींद से जुड़ेगा भारत के रेलवे इतिहास का नया अध्याय

जींद, (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि जींद, सोनीपत और हरियाणा का नाम अब भारतीय रेलवे के इतिहास में उसी तरह दर्ज होगा, जैसे पहली रेलगाड़ी के कारण मुंबई और ठाणे का नाम दर्ज है। उन्होंने कहा कि भारत की यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे लंबी हाइड्रोजन चालित यात्री ट्रेनों में से एक है तथा यह 'मेक इन इंडिया' अभियान का सफल उदाहरण है।जींद के एकलव्य स्टेडियम में करीब 14,700 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 19वीं सदी की पहचान भाप इंजन, 20वीं सदी की पहचान डीजल और बिजली से चलने वाली रेल रही, जबकि 21वीं सदी की पहचान हाइड्रोजन ट्रेन बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया के केवल तीन-चार देशों के पास हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की क्षमता है और भारत अब इस चुनिंदा समूह में शामिल हो गया है।

बुंदेलखंड अब बदल रहा है, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से आएगी हरियाली : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पुनर्विकसित टीकमगढ़, छतरपुर, सांची, अशोकनगर, बालाघाट, छिंदवाड़ा सहित प्रदेश के 13 अमृत भारत स्टेशन किए जनता को समर्पित

भोपाल (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पंजाब के जालंधर छावनी रेलवे स्टेशन से देश के 20 राज्यों में विकसित किए गए 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का शुभारंभ किया। इनमें मध्यप्रदेश के पुनर्विकसित टीकमगढ़, छतरपुर, खजुराहो के प्रवेश द्वार तरिचर, हरपालपुर, सांची, अशोकनगर, बालाघाट, ब्यौहारी, छिंदवाड़ा, जुन्नारदेव, नैनपुर जंक्शन, विदिशा, शिवपुरी एवं भिंड सहित कुल 13 अमृत भारत रेलवे स्टेशन शामिल हैं।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन से अमृत भारत स्टेशनों के लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश को 13 अमृत भारत स्टेशन के रूप में ऐतिहासिक सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त कर कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि 75 अमृत भारत स्टेशनों का एक साथ शुभारंभ भारतीय रेल के आधुनिकीकरण और विकसित भारत के संकल्प की ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पुनर्विकसित टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन क्षेत्र के विकास, पर्यटन और जनसुविधाओं का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि नए अमृत भारत स्टेशन मध्यप्रदेश को नई पहचान, नया सम्मान और विकास की नई दिशा देंगे। हमारे लिए ये स्टेशन समृद्ध और गौरवशाली विरासत का प्रतिबिंब हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हमारा देश और प्रदेश बदल रहा है। बुंदेलखंड ने अब तेजी से विकास और बदलाव की नई इबारत लिखी है। बुंदेलखंड की धरती आध्यात्मिकता और बहुमूल्य खनिज संपदा से संपन्न है। यहां रामराजा सरकार और बुंदेली संस्कृति के कई प्रतिमान जुड़े हैं। पहले बुंदेलखंड जल की कमी के लिए जाना जाता था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की भूमि अपना विकास करने में सक्षम है लेकिन प्राकृतिक कारणों से इतिहास में यहां से पलायन होता रहा है।

मप्र की ऐतिहासिक भोजशाला में जुमे की नमाज के लिए मुस्लिम पक्ष को नहीं मिली जगह

- घरों-मस्जिदों में ही हुई जुमे की नमाज, प्रशासन को मिला उच्चतम न्यायालय का आदेश, वैकल्पिक जगह को लेकर हुई बैठक

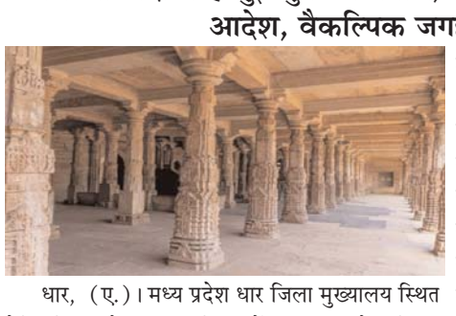

धार, (ए.)। मध्य प्रदेश धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर में शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष को जुमे की नमाज के लिए जगह नहीं मिली। इसके बाद मुस्लिम समाज ने जुमे की नमाज घरों और मस्जिदों में ही अदा की।दरअसल, उच्चतम न्यायालय ने गत 14 जुलाई को मुस्लिम पक्ष की भोजशाला परिसर में नमाज को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान अंतरिम विस्तृत आदेश जारी किया था। न्यायालय ने जिला प्रशासन को भोजशाला के समीप खुले स्थान पर नमाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे। यह आदेश जिला प्रशासन को मिल गए हैं। आदेश मिलने के बाद शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में कलेक्टर राजीव रंजन मीना और पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा की मौजूदगी में प्रशासन की अहम बैठक हुई। बैठक में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा भोजशाला के पास खुले वैकल्पिक स्थान पर जुमे की नमाज की व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। इसके बाद कलेक्टर और एसपी की मौजूदगी में मुस्लिम समाज के वरिष्ठ लोगों के साथ अलग बैठक आयोजित की गई। इसमें नमाज के लिए उपयुक्त स्थान तय करने पर चर्चा हुई।इस दौरान हिंदू पक्ष ने मांग की कि नमाज़ की व्यवस्था भोजशाला परिसर से 300 मीटर के दायरे के बाहर की जाए। इस संबंध में हिंदू पक्ष के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।हिंदू पक्ष के प्रतिनिधि गोपाल शर्मा ने कहा कि उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय दोनों ने ही अपने आदेशों में स्पष्ट किया है कि भोजशाला मां सरस्वती का मंदिर है। न्यायालय के रुख से साफ है कि भोजशाला में नमाज़ की अनुमति नहीं है।

प्रदेश में फिर मौसम ने बदली करवट, आज बालाघाट-डिंडौरी में भारी बारिश का अलर्ट

- अब तक सामान्य से 13 प्रतिशत कम बरसा मानसून

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में करीब 9 दिन के अंतराल के बाद एक बार फिर भारी बारिश की संभावना बनी है। मौसम विभाग ने आज शुक्रवार को बालाघाट और डिंडौरी जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा प्रदेश के 31 जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) सक्रिय हो रहा है। इसके साथ ही प्रदेश के ऊपर तीन चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) भी प्रभावी हैं। इन मौसम प्रणालियों के कारण आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है। 19 जुलाई से उत्तर-पश्चिम भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) भी सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से प्रदेश में बारिश का सिलसिला दोबारा रफ्तार पकड़ सकता है और कई इलाकों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले नौ दिनों से प्रदेश में कहीं भी व्यापक स्तर पर भारी बारिश दर्ज नहीं हुई है। इसका असर मानसूनी आंकड़ों पर भी दिखाई दिया है। अब तक मध्य प्रदेश में 243.3 मिमी (9.6 इंच) वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि इस अवधि में सामान्य औसत 281.3 मिमी (11.1 इंच) होना चाहिए था।

उत्तराखंड के देहरादून एयरपोर्ट पर छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले पहुंचने पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का कांग्रेस नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

'दिल्ली जाएंगे फडणवीस, बदलेगा CM', इस बड़े दावे से महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में मचा हड़कंप

नागपुर (ए)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से बड़े उलटफेर की अटकलें तेज हो गई हैं। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत के एक सनसनीखेज दावे ने राज्य के सियासी गलियारों में भारी खलबली मचा दी है। राउत ने शुक्रवार को दावा किया कि अगर आने वाले एक-दो महीनों में केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल में कोई भी विस्तार या फेरबदल होता है, तो उसका सीधा और बड़ा असर महाराष्ट्र की सत्ता पर देखने को मिलेगा।सांसद संजय राउत ने यह अहम बयान अपने नागपुर दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए दिया है। दरअसल, वह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के आगामी 'राम रक्षा आंदोलन' की तैयारियों का जायजा लेने के लिए नागपुर पहुंचे थे। इसी दौरान जब पत्रकारों ने उनसे केंद्र और महाराष्ट्र में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने यह चौंकाने वाला दावा कर दिया कि केंद्र में होने वाला बदलाव महाराष्ट्र में एक नए मुख्यमंत्री का रास्ता साफ कर सकता है।संजय राउत ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अगर केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है, तो मौजूदा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को देश की सेवा के लिए दिल्ली बुलाया जा सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ऐसी स्थिति बनने पर महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के ही किसी अन्य वरिष्ठ मंत्री को मुख्यमंत्री पद की कुर्सी सौंपी जा सकती है। हालांकि, राउत ने अपने इस बड़े दावे के पीछे कोई ठोस आधार या किसी नेता का नाम उजागर नहीं किया है, लेकिन उनके इस बयान ने राजनीतिक सरगर्मियां जरूर बढ़ा दी हैं।

नाम के आगे से डॉक्टर हटा लो' रेप पीड़िता को भर्ती न करने पर सुप्रीम कोर्ट का डॉक्टरों पर फूटा गुस्सा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। गाजियाबाद में 4 साल की मासूम रेप पीड़िता को इलाज न देने और उसे भर्ती करने से साफ इनकार करने वाले दो निजी अस्पतालों पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। बच्ची की मौत के इस दर्दनाक मामले में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने संवेदनहीनता की हदें पार करने वाले इन अस्पतालों को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि आपने उस मासूम बच्ची को सिर्फ इसलिए नजरअंदाज कर दिया क्योंकि वह गरीब थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर आप अपना फर्ज नहीं निभा सकते, तो आपको अपने नाम के आगे 'डॉक्टर' शब्द लगाने का कोई हक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चिकित्सा पेशे से जुड़ी जिम्मेदारी याद दिलाते हुए गहरी निराशा व्यक्त की। बेंच ने अस्पतालों से सीधा सवाल किया कि यदि आपके अंदर थोड़ी भी संवेदनशीलता होती तो आप बच्ची को तुरंत एडमिट करते। अगर अस्पताल में संसाधन नहीं थे, तो बच्ची को फौरन किसी दूसरी जगह रेफर किया जा सकता था।

वंदे मातरम् के अपमान पर भी होगी सजा? संसद के मानसून सत्र में आएगा संशोधन विधेयक

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्र सरकार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को कानूनी संरक्षण देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित विधेयक संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। यदि यह संसद से पारित होकर कानून बनता है, तो राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का भी जानबूझकर अपमान दंडनीय अपराध माना जाएगा।वर्तमान में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 के तहत राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा), भारतीय संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन के अपमान पर कार्रवाई का प्रावधान है। इस कानून के उल्लंघन पर अधिकतम तीन वर्ष की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। हालांकि अब तक राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् इस कानूनी संरक्षण के दायरे में शामिल नहीं था।प्रस्तावित संशोधन के बाद यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम् का अपमान करता है या उसके गायन में बाधा उत्पन्न करता है, तो उसके खिलाफ भी इसी कानून के तहत कार्रवाई की जा सकेगी। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य राष्ट्रीय गीत की गरिमा और ऐतिहासिक महत्व की रक्षा करना है।सरकार ने स्पष्ट किया है कि संशोधन विधेयक में वंदे मातरम् का गायन अनिवार्य बनाने का कोई प्रावधान नहीं है। प्रस्ताव केवल इसके जानबूझकर किए जाने वाले अपमान या गायन में बाधा डालने को दंडनीय बनाने तक सीमित है।

बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा हेराफेरी मामले में पूर्व मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान गिरफ्तार

गोपेश्वर (ए.)। बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे की कथित हेराफेरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंदिर के पूर्व अधिकारी राजेंद्र चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। 30 जून को सेवानिवृत्त हुए चौहान से चार घंटे की पूछताछ के बाद शुक्रवार को गिरफ्तारी की गई। उन्हें शनिवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।पुलिस के अनुसार, एसआईटी ने शुक्रवार को बदरीनाथ में चौहान से करीब चार घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद दोपहर लगभग तीन बजे उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले गुरुवार सुबह एसआईटी ने बदरीनाथ मंदिर के कंट्रोल रूम से पिछले माह की सीसीटीवी हार्ड डिस्क, कंप्यूटर और अन्य डिजिटल उपकरण कब्जे में लेकर उनकी जांच कराई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि 22, 25 और 29 जून की सीसीटीवी फुटेज में गणना कक्ष के भीतर नगदी की कथित हेराफेरी करते हुए राजेंद्र चौहान दिखाई दे रहे हैं।

अब ट्रेन में सफर करने वालों को नहीं कह सकेंगे 'सेकंड क्लास' यात्री, बिना टिकट मौत पर भी 8 लाख के मुआवजे का आदेश

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रेलवे की व्यवस्थाओं और यात्रियों के सम्मान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने रेलवे द्वारा आम बोलचाल और दस्तावेजों में इस्तेमाल होने वाले 'सेकंड क्लास पैसेंजर' (द्वितीय श्रेणी यात्री) शब्द पर गहरी आपत्ति जताई है। अदालत का मानना है कि देश के इतिहास में मौजूद वर्ग विभाजन को देखते हुए किसी भी नागरिक को इस तरह से संबोधित करना सीधे तौर पर संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। इसके साथ ही कोर्ट ने एक अहम मामले में रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल के फैसले को पलटते हुए एक बड़ा आदेश पारित किया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि भविष्य में किसी भी यात्री की श्रेणी उसके द्वारा किए गए खर्च से तय नहीं होनी चाहिए। अदालत ने रेलवे को सख्त हिदायत दी है कि अब से दस्तावेजों में श्रेणी का उल्लेख यात्री के बजाय केवल उस कोच या डिब्बे के संदर्भ में ही किया जाए जिसमें वह सफर कर रहा है। इसे रेलवे व्यवस्था में एक बड़े सुधारात्मक कदम और समानता के अधिकार के रूप में देखा जा रहा है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और कर्मचारियों की भारी कमी पर भी चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि रेलवे मैनुअल के सुरक्षा प्रावधानों को जमीन पर सही ढंग से लागू करने के लिए कर्मचारियों की संख्या में काफी इजाफा करने की सख्त जरूरत है। देश आधुनिकीकरण की ओर बढ़ रहा है, ऐसे में रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार दिया जाना चाहिए।

सांदीपनि विद्यालय सर्वसुविधा युक्त गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का माध्यम बन रहे हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झिंझरी और बहोरीबंद सांदीपनि विद्यालयों का किया लोकार्पण

भोपाल, (निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति सभी के प्रति मैत्री और कल्याण का भाव रखने का संदेश देती है। कृष्ण-सुदामा का प्रसंग भी हमें मैत्री के भाव को पूर्ण गरिमा और आत्मीयता के साथ निभाने का संदेश देता है। यह प्रसंग हमें अमीर-गरीब का भेद मिटाकर समरसता का संदेश भी देता है। भगवान कृष्ण का शिक्षा के लिए सांदीपनि आश्रम उज्जैन आगमन और शिक्षा ग्रहण कर उनका 64 कलाओं 14 विद्याओं में पारंगत होना हमें शिक्षा का महत्व बताता है। राज्य सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए सांदीपनि विद्यालयों की सौगात दे रही हैं। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय सर्वसुविधा युक्त गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का माध्यम बन रहे है। इसी का परिणाम है कि विद्यार्थी निजी विद्यालयों से निकलकर शासकीय सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं। शासकीय शालाओं में बच्चों को नि:शुल्क पुस्तकें और साइकिलें प्रदान की जा रही है। बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने पर मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और अगर कोई विद्यार्थी स्कूल में टॉप करता है तो उसे स्कूटी दी जा रही है। राज्य में गुरुपूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं, इसीलिए विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के लिए कुलगुरु संबोधन की परंपरा शुरू की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्लीमनाबाद कटनी में सांदीपनि विद्यालयों के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

झिंझरी में 38 करोड़ 61 लाख और बहोरीबंद में 35 करोड़ 63 लाख रुपए लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज क्षेत्रवासियों को झिंझरी और बहोरीबंद सांदीपनि विद्यालयों की सौगात दी। झिंझरी का सांदीपनि विद्यालय 38 करोड़ 61 लाख रुपए तथा बहोरीबंद का सांदीपनि विद्यालय 35 करोड़ 63 लाख रुपए से अधिक लागत से बनकर तैयार हुआ। यहां उपलब्ध सुविधाएं गुरुकुल की गरिमा और डिजिटल युग की दक्षता का समन्वय प्रस्तुत करती हैं।

स्लीमनाबाद टनल किसान कल्याण वर्ष में किसानों के लिए बड़ी सौगात है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में कई असंभव कार्यों को पूरा कर विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार विभिन्न विकास परक और कल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में स्लीमनाबाद टनल परियोजना बघेलखंड और बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है, यह क्षेत्र भविष्य में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ देगा। इस परियोजना से रीवा, सतना, मैहर, पन्ना और कटनी में सिंचाई और पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता रहेगी। किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार की ओर से इस क्षेत्र के किसानों के लिए यह बड़ी सौगात है। किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने टनल परियोजना के लिए लगभग 1400 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। इसी प्रकार केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड के दमोह, सागर, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, विदिशा सहित अन्य जिलों के किसान लाभान्वित होंगे। पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना से चंबल और मालवा क्षेत्र के जिलों को सिंचाई और पेयजल के लिए पानी उपलबध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शीघ्र ही कटनी में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर स्लीमनाबाद टनल परियोजना का लोकार्पण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में 19 जुलाई को जगदीशपुर में होगी कैबिनेट की बैठक

कलेक्टर भोपाल प्रियंक मिश्रा ने किया स्थल निरीक्षण

भोपाल, (आरएनएस.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 19 जुलाई, रविवार को जगदीशपुर में होने वाली कैबिनेट बैठक की व्यवस्थाओं के संबंध में शुक्रवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने बैठक के सफल एवं सुचारू संपादन के लिए आयोजन स्थल पर चल रही विभिन्न व्यवस्थाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती अंजू अरुण कुमार, एडीएम महेंद्र कवचे, प्रकाश नायक, पुलिस अधीक्षक देहात पंकज पांडे सहित विभिन्न संबंधित विभागों के जिला एवं संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभात चौराहा फ्लाईओवर में देरी पर सख्त हुए मंत्री श्री सारंग, PWD अधिकारियों पर की नाराजगी व्यक्त

10 लाख लोगों को मिलेगा सीधा लाभ, प्रभात चौराहे के वर्षों पुराने ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

भोपाल, (निप्र.)। राजधानी भोपाल के सबसे व्यस्त यातायात मार्गों में शामिल प्रभात चौराहे पर निर्माणाधीन डबल-डेकर फ्लाईओवर परियोजना में हुई देरी और लागत में भारी वृद्धि को लेकर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने लोक निर्माण विभाग अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर परियोजना में बरती गई लापरवाही पर गहरा असंतोष व्यक्त किया और निर्माण कार्य को युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए।करीब 650 मीटर लंबे डबल-डेकर फ्लाईओवर का निर्माण प्रभात चौराहे (काली मंदिर पुलिया) से लाला लाजपत राय कॉलोनी तक किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को वर्ष 2022 में स्वीकृति मिली थी, जबकि 2023-24 में निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ।निर्माण के दौरान मेट्रो परियोजना और लोक निर्माण विभाग के बीच पेयजल एवं सीवरेज लाइन शिफ्टिंग को लेकर समन्वय की कमी और प्रशासनिक विवाद के कारण कार्य लंबे समय तक बाधित रहा। अधिकारियों की लापरवाही के चलते समय पर समस्या का समाधान नहीं हो सका, जिससे परियोजना की प्रगति रुक गई। परिणामस्वरूप, परियोजना की 44 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत बढ़कर लगभग 72 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। वर्ष 2025 में संशोधित लागत की स्वीकृति के लिए प्रशासनिक स्तर पर फाइल भेजी गई, जो लंबे समय तक लंबित रही। इन परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए मंत्री विश्वास सारंग ने लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई और स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी लंबित तकनीकी एवं प्रशासनिक बाधाओं को तत्काल दूर कर निर्माण कार्य को तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने निर्माण स्थल के आसपास की सभी सर्विस रोडों को अगले सात दिनों के भीतर दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए, जिससे निर्माण कार्य के दौरान आम नागरिकों को होने वाली परेशानी कम की जा सके यह डबल-डेकर फ्लाईओवर पूरा होने के बाद प्रभात चौराहे पर वर्षों से लगने वाले भीषण ट्रैफिक जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

भोपाल में शराब दुकान की शिफ्टिंग का विरोध

रविंद्र भवन के पास टीनशेड में की शिफ्ट; सामने राजभवन और सरकारी दफ्तर

भोपाल, (निप्र.)। भोपाल के प्रोफेसर कॉलोनी की शराब दुकान की शिफ्टिंग को लेकर फिर से विरोध शुरू हो गया है। ये दुकान शुक्रवार सुबह ही रविंद्र भवन के पास नाले किनारे शिफ्ट की गई थी। इसके ठीक सामने लोकभवन (गर्वनर हाउस), रविंद्र भवन समेत कई सरकारी दफ्तर है। इसके विरोध में आम लोग और कांग्रेसी मैदान में उतर गए।बता दें कि पॉलीटेक्निक चौराहे के पास प्रोफेसर कॉलोनी में शराब दुकान थी। इसे लेकर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। इसके चलते शुक्रवार को यह दुकान करीब 300 मीटर दूर रविंद्र भवन के पास नाले किनारे शिफ्ट कर दी गई।इस नाले के ऊपर सीमेंट क्रांकीट का स्लैब बनाया गया था। यहीं पर शराब की टीनशेड नुमा दुकान रख दी गई और शराब बेची भी जा रही थी।दुकान शिफ्ट होने की भनक लगते ही रहवासी और कांग्रेसी विरोध में उतर आए। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी और वार्ड-24 के कांग्रेस अध्यक्ष शोएब खान मौके पर पहुंचे। उन्होंने दुकान शिफ्ट किए जाने का विरोध जताते हुए कहा कि दुकान के ठीक सामने राजभवन की दीवार है। पास ही मुख्य सड़क है, जहां से मुख्यमंत्री, मंत्री समेत कई वीआईपी गुजरते हैं। आसपास रविंद्र भवन, संस्कृति परिषद, जनसंपर्क संचालनालय और रोशनपुरा बस्ती भी है। ऐसे में यहां दुकान संचालित होने से कई तरह की दिक्कतें खड़ी हो सकती हैं। दुकान के सामने धरने पर बैठीं महिलाओं ने कहा कि वे घरेलू कामकाज के लिए प्रोफेसर कॉलोनी आती-जाती हैं। कलारी खुलने से क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं बढ़ने की आशंका है।

लोगों के विरोध के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइश देने का प्रयास किया। हालांकि, लोग नहीं माने। इधर, विरोध के बाद ठेकेदार ने कलारी बंद कर दी।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवक ने सुसाइड किया

भोपाल(निप्र) राजधानी के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 36 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी से पहले उसने उड़िया भाषा में एक सुसाइड नोट लिखकर अपने पिता के मोबाइल पर वॉट्सऐप के जरिए भेजा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट उड़िया भाषा में होने के कारण उसका अनुवाद कराया जाएगा। साथ ही परिजनों के भोपाल पहुंचने के बाद ही आत्महत्या के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

वॉट्सऐप पर सेंड किया सुसाइड नोट

अशोका गार्डन पुलिस के अनुसार सच्ची स्मिथ दास मूल रूप से ओडिशा का रहने वाला था। वह भोपाल के सुंदर नगर में किराए के मकान में अकेला रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। गुरुवार को उसने अपने पिता के मोबाइल फोन पर वॉट्सऐप के माध्यम से उड़िया भाषा में एक संदेश भेजा,सुसाइड नोट लिखा था।

वरिष्ठ पत्रकार अरूण पटेल एवं अजय बोकिल के जन्मदिन पर दी हार्दिक शुभकामनाएं

भोपाल। वरिष्ठ पत्रकार अरूण पटेल एवं अजय बोकिल के जन्मदिन पर दैनिक क्षितिज किरण ग्रुप के डायरेक्टर के.के. सक्सेना, सतीश सक्सेना सहित अन्य पत्रकार साथियों ने आत्मीयता के साथ इंडियन कॉफी हाउस मालवीय नगर में शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके स्वस्थ, सफल एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की।

भोपाल की सांस्कृतिक और स्वच्छ छवि अंकित करने के लिए सभी एजेंसियां समन्वय से करें कार्य - संभागायुक्त श्री शर्मा

आगामी ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों को लेकर संभागायुक्त ने बैठक की

भोपाल, (निप्र.)। भोपाल में आगामी माह आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स सम्मेलन (BRICS Culture Track Meetings) की पूर्व तैयारियों को लेकर संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक की। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बैठक में स्पष्ट किया कि यह वैश्विक सम्मेलन मध्यप्रदेश की अंतरराष्ट्रीय पहचान को एक नया आयाम देगा, अत: इसकी तैयारियों में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में संयुक्त आयुक्त विनोद यादव सहित, लोक निर्माण विभाग (PWD), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI), नगर पालिक निगम भोपाल, म.प्र. सड़क विकास निगम (MPRDC) एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और तकनीकी अभियंता उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि वैश्विक डेलीगेट्स द्वारा विश्व धरोहर स्थल सांची के बौद्ध स्तूपों, प्रागैतिहासिक भीमबेटका की शैलकला, ऐतिहासिक भोजपुर शिव मंदिर एवं पवित्र धार्मिक नगरी उज्जैन के भ्रमण का आयोजन हो सकता है।

कस्तूरबा स्कूल के पास महीनों से फेंका जा रहा कचरा

स्मार्ट सिटी के बीच बन गई कचरा खंती, धुएं से अटल परिसर के रहवासी परेशान

भोपाल, (निप्र.)। 342 एकड़ के टीटी नगर क्षेत्र को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने का दावा पिछले एक दशक से किया जा रहा है। लेकिन यहां आज भी न सड़कें पूरी बन सकी हैं, न सीवेज, ड्रेनेज और पेयजल नेटवर्क का काम पूरा हुआ है।उल्टा, खाली पड़ी जमीन अब कचरा डंपिंग स्थल में बदलती नजर आ रही है। स्मार्ट सिटी क्षेत्र में कस्तूरबा स्कूल के पास बड़ी मात्रा में कचरा महीनों से डंप किया जा रहा है। कचरे के ढेर को देखकर साफ लगता है कि यह एक-दो दिन का नहीं, बल्कि लंबे समय से लगातार फेंका जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहर के बीचोंबीच इतनी बड़ी मात्रा में कचरा कौन डाल रहा है और नगर निगम को इसकी भनक तक क्यों नहीं लगी?

रहवासी बोले- आखिर इतना कचरा यहां पहुंच कैसे रहा है?

रहवासियों का कहना है कि कचरे के ढेर में समय-समय पर आग लग जाती है। इससे उठने वाला धुआं अटल परिसर सहित आसपास के इलाके में फैल जाता है, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होती है।यदि आसपास कोई बड़ी आबादी नहीं है, तो आखिर इतना कचरा यहां पहुंच कैसे रहा है? यह भी जांच का विषय है। नगर निगम के एएचओ विशाल माहेश्वरी का कहना है कि उन्हें गुरुवार को ही शिकायत मिली।कचरा हटाने का काम शुरू करा दिया गया है। पूरे क्षेत्र की सफाई में दो से तीन दिन लगेंगे।

भोपाल में हिंदू संगठनों ने संदिग्ध मांस से भरा ऑटो पकड़ा, ड्राइवर फरार, पुलिस ने जांच के लिए भेजे सैंपल

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के बजरंग दल और विहिप कार्यकर्ताओं ने संदिग्ध मांस से भरा एक ऑटो रिक्शा पकड़ा है। पुलिस ने वाहन और मांस को जब्त कर जांच के लिए सैंपल लैब भेज दिए हैं। साथ ही पुलिस की एक टीम फरार ड्राइवर और अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी है।जानकारी के अनुसार, भोपाल के निशातपुरा थाना अंतर्गत कमल नगर इलाके में शुक्रवार तड़के बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने एक ऑटो को संदिग्ध हालत में जाते देखा। कार्यकर्ताओं को पहले से ही इस संबंध में इनपुट मिले थे, जिसके आधार पर उन्होंने सुबह करीब तीन बजे इलाके में घेराबंदी कर दी। खुद को घिरता देख ऑटो का ड्राइवर बीच रास्ते में ही वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब कार्यकर्ताओं ने लावारिस खड़े ऑटो रिक्शा की तलाशी ली, तो उसकी पिछली सीट पर पीले रंग की तिरपाल में बंधा हुआ संदिग्ध मांस बरामद हुआ।

हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि ऑटो में ले जाया जा रहा मांस गोवंश का है। उन्होंने इस पूरे नेटवर्क से जुड़े आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।निशातपुरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ऑटो सहित पूरे मांस को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मांस किस पशु का है, यह पूरी तरह स्पष्ट करने के लिए उसके सैंपल तुरंत फॉरेंसिक जांच लैब भेज दिए गए हैं, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।इसी बीच, पुलिस जब ऑटो के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर तफ्तीश करते हुए एक संदेही के ठिकाने पर दबिश देने पहुंची, तो वहां घर पर दो गोवंश बंधे हुए मिले। कार्यकर्ताओं का दावा है कि इन गोवंशों को भी काटने की तैयारी की जा रही थी, हालांकि पुलिस ने अभी तक इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

मप्र- लगभग 10 वर्ष बाद जेल विभाग के 40 अधिकारियों को पदोन्नति

- सहायक जेल अधीक्षकों को उप जेल अधीक्षक के पद पर किया गया पदोन्नत

भोपाल(ए.) । मध्य प्रदेश शासन के पदोन्नति संबंधी निर्णय के अनुपालन में जेल विभाग में लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को गति देते हुए लगभग 10 वर्ष बाद विभाग के 40 अधिकारियों के पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। शासन के निर्देशों के पालन में जेल मुख्यालय द्वारा सहायक जेल अधीक्षक के पद पर कार्यरत अधिकारियों को उप जेल अधीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है।जनसंपर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने शुक्रवार को बताया कि पदोन्नत अधिकारियों को उनके नवीन पद एवं दायित्व के अनुरूप पदस्थापित करने की प्रक्रिया जेल मुख्यालय द्वारा प्रारंभ कर दी गई है। पदोन्नति से अधिकारियों में उत्साह का संचार हुआ है तथा इससे जेल विभाग की प्रशासनिक कार्यक्षमता और कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने में भी मदद मिलेगी।जेल मुख्यालय में आयोजित समारोह में महानिदेशक, जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं डॉ. वरुण कपूर ने पदोन्नत अधिकारियों को नई रैंक प्रदान की।

समारोह के दौरान महानिदेशक जेल डॉ. वरुण कपूर द्वारा पदोन्नत अधिकारियों ज्योति तिवारी, हरीश आर्य, दिलीप नायक एवं राकेश कुमार मिहोरिया की वर्दी पर अशोक चिन्ह लगाकर उन्हें उप जेल अधीक्षक की नई रैंक प्रदान की गई।

नरवर किले से 400 साल पुरानी सिंधियाकालीन तोप की डकैती, 30 हथियारबंद बदमाशों ने उठाई करोड़ों की धरोहर

शिवपुरी,(ए.)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के ऐतिहासिक नरवर किले से 400 साल पुरानी सिंधिया राजवंश की एक दुर्लभ तोप हथियारबंद बदमाशों द्वारा लूटे जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। करीब 30 हथियारबंद बदमाशों ने किले में घुसकर ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्डों को जान से मारने की धमकी दी और करोड़ों रुपये मूल्य की ऐतिहासिक तोप वाहन में लादकर फरार हो गए।बताया जा रहा है कि यह तोप अंतरराष्ट्रीय एंटीक तस्करों के निशाने पर थी और इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय ब्लैक मार्केट में 3 से 5 करोड़ रुपये तक आंकी जा रही है। घटना

के बाद पुलिस और पुरातत्व विभाग में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, करीब 10 दिन पहले बदमाशों ने तोप को उसके निर्धारित स्थान से नीचे गिरा दिया था। यह स्पष्ट संकेत था कि चोरी की तैयारी चल रही है, लेकिन इसके बावजूद पुरातत्व विभाग ने न तो सुरक्षा बढ़ाई और न ही तोप को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसी लापरवाही का फायदा उठाकर बदमाश वारदात को अंजाम देने में सफल रहे।

घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षाकर्मी बाल किशन ने बताया कि बुधवार-गुरुवार की देर रात लगभग 30 हथियारबंद लोग अचानक किले में पहुंचे। सुरक्षा के नाम पर उनके पास केवल एक डंडा था, जबकि रोशनी के लिए टॉर्च तक उपलब्ध नहीं थी। बदमाशों ने घेरकर जान से मारने की धमकी दी, जिसके बाद जान बचाने के लिए उन्हें वहां से भागना पड़ा।

दतिया विधानसभा उप निर्वाचन 2026 उप निर्वाचन की तैयारियों का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

दतिया,(ए.)। विधानसभा उप निर्वाचन-2026 की तैयारियों के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखड़े ने निर्वाचन कार्यों के लिए अधिगृहित पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष रूप से वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

सात महीने का वेतन नहीं मिलाने से नाराज नपा कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

अनूपपुर,(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला मुख्यालय की नगरपालिका के कर्मचारियों ने शुक्रवार को अपनी कई रुकी हुई समस्याओं को दूर करने की मांग को लेकर अपर कलेक्टर बलवीर रमण को ज्ञापन सौंपा है।मप्र नगरपालिका-निगम कर्मचारी महासंघ के बैनर तले आज कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौप कर आरोप लगाते हुए बताया कि नगरपालिका अधिकारी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। बार-बार हड़ताल करने के बाद भी बजट की कमी का बहाना बना देते है। अधिकारी केवल एक या दो महीने की सैलरी देकर बाकी पैसे अगले महीने देने का भरोसा दिलाते हैं, लेकिन बाद में भुगतान नहीं किया जाता।कर्मचारियों ने बताया कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की हालत सबसे ज्यादा खराब है। उन्हें पिछले सात महीनों से वेतन नहीं मिला है। इसके चलते उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर भी बुरा असर पड़ रहा है। अनूपपुर नगरपालिका में 10 साल से ज्यादा समय से काम कर रहे दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को सरकारी आदेश के मुताबिक मिलने वाला 1600 रुपए का विशेष भत्ता फिर से दिया जाए, जिसे अप्रैल 2026 से बंद कर दिया गया है। नगरपालिका में काम करने वाले नियमित कर्मचारियों की जनवरी से लेकर अब तक की रुकी हुई सैलरी तुरंत दी जाए।

आगर मालवा : कमरे में बंद मिली बुजुर्ग महिला, पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस ने आजाद कराया

सुसनेर में दो बेटों पर मां को बंधक बनाकर रखने का आरोप, समझाइश के बाद तीसरे बेटे के साथ भेजा गया

आगर मालवा, (ए.)। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले के सुसनेर नगर में शुक्रवार को एक बुजुर्ग महिला को कमरे में बंद रखने का मामला सामने आया। वार्ड क्रमांक-5 स्थित कल्याण जीन क्षेत्र में पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कमरे का ताला खुलवाकर महिला को बाहर निकाला और पूछताछ के लिए सभी पक्षों को थाने ले गई।बुजुर्ग महिला की पहचान कौशल्या बाई के रूप में हुई है। आरोप है कि उन्हें पिछले करीब दो माह से कमरे में रखा गया था। हालांकि, इस संबंध में पुलिस जांच कर रही है और परिजनों के दावे भी सामने आए हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी और पार्षद प्रतिनिधि पवन शर्मा को दी। दोनों मौके पर पहुंचे और परिजनों से कमरे की चाबी मांगी, लेकिन चाबी नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ताला खुलवाया और बुजुर्ग महिला को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद महिला को थाने ले जाया गया, जहां उनके दोनों बेटों और बहुओं को भी बुलाकर पूछताछ की गई। पुलिस के समक्ष परिजनों ने कहा कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वह कई बार बिना बताए घर से निकल जाती थीं। वहीं, पार्षद प्रतिनिधि पवन शर्मा का दावा है कि महिला सामान्य रूप से बातचीत कर रही थीं और अपना व परिवार के सदस्यों का परिचय भी दे रही थीं। नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने बताया कि पड़ोसियों के अनुसार बुजुर्ग महिला करीब दो महीने से कमरे में रह रही थीं।

मानोरा मेले में परिवहन विभाग की सघन जांच, 8 वाहनों पर चालानी कार्रवाई, 76,700 का शमन शुल्क वसूला

विदिशा (आरएनएस.)। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशों के पालन में जिला परिवहन विभाग द्वारा मानोरा मेले में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मानोरा रोड पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन अधिकारी गिरिजेश वर्मा ने किया।जांच अभियान के दौरान मानोरा मेले की ओर जा रहे यात्री वाहनों एवं अन्य वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान परिवहन नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित 8 वाहन पाए गए, जिनके विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 76,700 रुपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। जिला परिवहन अधिकारी गिरिजेश वर्मा ने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं की अधिक आवाजाही को देखते हुए यात्री वाहनों की विशेष रूप से जांच की जा रही है। वाहन चालकों को निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठाने, सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने, फिटनेस एवं परमिट नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित एवं सावधानीपूर्वक वाहन संचालन के निर्देश दिए गए।

राशन नहीं मिलने से नाराज 150 से अधिक महिलाओं का प्रदर्शन, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर की शिकायत

बड़वानी,(आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले की बड़वानी जनपद पंचायत के नर्मदा पट्टी क्षेत्र स्थित बिजासन और अमराली ग्राम पंचायतों की 150 से अधिक महिलाओं ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर उचित मूल्य दुकान की कार्यप्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिलाओं का आरोप है कि पिछले दो माह से उन्हें नियमित रूप से राशन नहीं मिल रहा है और दुकान संचालक द्वारा अभद्र व्यवहार किया जाता है। प्रदर्शन के बाद महिलाओं ने खाद्य विभाग को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने खाद्य अधिकारी भरत सिंह जमरे को दिए ज्ञापन में बताया कि बिजासन में 'मां सरस्वती स्व-सहायता समूह' के नाम से उचित मूल्य दुकान संचालित है। उनका आरोप है कि नियमानुसार दुकान का संचालन समूह की महिला सदस्य को करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय उसका पति दुकान का संचालन कर रहा है। महिलाओं ने इसे नियमों का उल्लंघन बताते हुए संबंधित व्यक्ति को हटाने की मांग की। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि पिछले दो माह से नियमित राशन वितरण नहीं हुआ है।

व्यापार समाचार

पीएम मोदी के आधुनिक रेलवे विजन को आगे बढ़ाएगी हाइड्रोजन ट्रेनः अश्विनी वैष्णव

जींद हरियाणा (आरएनएस)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन, रेलवे को आधुनिक बनाने के पीएम मोदी के विजन का अहम हिस्सा है। इस ट्रेन की तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है और आत्मनिर्भर भारत का शानदार उदाहरण है।

वैष्णव ने कहा कि भारत में हाइड्रोजन को दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह ही एक नए ईंधन के तौर पर देखा जाता है और सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। रेलवे ने ट्रांसपोर्ट सेक्टर के लिए 2,400 किलोवाट का पूरा हाइड्रोजन प्रोपल्शन सिस्टम तैयार किया है, जिसे इस ट्रेन में लगाया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि यह तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है और 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच को दर्शाती है। यह ग्रीन एनर्जी की दिशा में एक अहम कदम है। साथ ही, यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों से चल रहे रेलवे के आधुनिकीकरण के काम का हिस्सा है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस हाइड्रोजन तकनीक के बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकार भारत के पास ही है और इसे आने वाले समय में निर्यात में भी किया जाएगा। साथ ही कहा कि रेलवे फिलहाल इसे आगे विकसित करने पर कार्य कर रहा है। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, हाइड्रोजन फ्यूल सेल संचालित ट्रेन का प्रारंभिक संचालन उत्तर रेलवे के जींद-सोनीपत रेलखंड पर किया जाएगा। यह ट्रेन जींद जंक्शन, गोहाना जंक्शन और सोनीपत को जोड़ेगी। साथ ही यह मार्ग के बीच स्थित स्टेशनों और प्रस्तावित ठहरावों पर भी सेवा देगी। इनमें जींद सिटी, पांडू पिंडारा जंक्शन, ललित खेड़ा हॉल्ट, भंभेवा, इसापुर खेड़ी हॉल्ट, बुटाना हॉल्ट, खंडराई हॉल्ट, रभराह हॉल्ट, लाठ हॉल्ट, मोहाना, बरवासनी हॉल्ट और सोनीपत न्यू शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भारत में चलने वाली हाइड्रोजन ट्रेन की खासियत यह है कि इसे 10 कोचों वाले यात्री ट्रेनसेट के रूप में तैयार किया है, जिसमें करीब 2,600 यात्रियों को ले जाने की क्षमता है। वहीं, वर्तमान में दुनिया भर में संचालित अधिकांश हाइड्रोजन यात्री ट्रेनों में केवल दो या तीन कोच होते हैं और इन्हें मुख्य रूप से छोटी क्षेत्रीय रेल सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

सिएट को बड़ा झटका, पहली तिमाही के खराब नतीजों के बाद शेयर में भारी गिरावट

नई दिल्ली(आरएनएस)। टायर निर्माता कंपनी सिएट के शेयर शुक्रवार को सुबह के सत्र में 9 प्रतिशत से अधिक फिसल गए। इसकी वजह अपनी की ओर से वित्त वर्ष 27 जून तिमाही में उच्च परिचालन लागत के कारण कमजोर नतीजे पेश करना है। बाजार खुलने के साथ सिएट का शेयर शुरुआती कारोबार में ही पिछली क्लोजिंग 3,829.60 रुपए के मुकाबले 9.3 प्रतिशत फिसलकर 3,471.10 रुपए पर पहुंच गया। फिलहाल सुबह 10ः47 पर यह 7.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,548 रुपए पर था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 96 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की। कंपनी का मुनाफा घटकर 4 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 112 करोड़ रुपए था। हालांकि, परिचालन से राजस्व सालाना आधार पर 22.4 प्रतिशत बढ़कर 4,318 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 3,529 करोड़ रुपए था। यह विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों में मजबूत मांग को दर्शाता है। कंपनी के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे माल की लागत बढ़ने से उसके मुनाफे पर दबाव पड़ा। कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अर्नब बनर्जी ने कहा कि इनपुट लागत में बढ़ोतरी के असर को आंशिक रूप से कम करने के लिए कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से टायरों की कीमतें बढ़ाईं, जबकि मांग और बाजार हिस्सेदारी को भी बनाए रखा।

'सेमिकॉन 2.0' देगा रोजगार को नई रफ्तार, पांच साल में 2 लाख नौकरियों का अनुमान

नई दिल्ली (ए.)। उद्योग जगत ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर क्षेत्र को मजबूत बनाने की पहल 'सेमिकॉन 2.0' अगले पांच वर्षों में 1.5 लाख से 2 लाख तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित कर सकती है। यह योजना भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को केवल असेंबली आधारित मैन्युफैक्चरिंग से आगे बढ़ाकर चिप डिजाइन, इंजीनियरिंग और इनोवेशन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।एनएलबी सर्विसेज के विश्लेषण के अनुसार, सेमीकंडक्टर मिशन का अगला चरण केवल मैन्युफैक्चरिंग तक सीमित नहीं रहेगा। इसका फोकस चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर वेरिफिकेशन, एम्बेडेड सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस्ड पैकेजिंग और इंटेलिजेंट सप्लाई चेन ऑपरेशंस जैसे क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक समग्र इकोसिस्टम विकसित करने पर होगा। यह आकलन ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1.27 लाख करोड़ रुपए के बजट परिव्यय के साथ 'सेमिकॉन 2.0' योजना को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य देश में सेमीकंडक्टर डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को और मजबूत बनाना है।एनएलबी सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सचिन अलुग ने कहा कि वर्ष 2030 तक सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम से जुड़े लगभग 70

प्रतिशत पदों की प्रकृति बदल जाएगी, जिसके चलते उच्च कौशल वाले इंजीनियरिंग पेशेवरों की मांग में तेज बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। उन्होंने अनुमान जताया कि वर्ष 2030 तक सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर केंद्रित ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की संख्या में 25 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है, जिससे भारत की पहचान वैश्विक इंजीनियरिंग, रिसर्च और इनोवेशन हब के रूप में और मजबूत होगी। सचिन अलुग ने कहा कि अब तक भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मुख्य रूप से असेंबली आधारित उत्पादन पर निर्भर रहा है। हालांकि, सेमिकॉन 2.0 योजना देश को वैल्यू चेन में आगे बढ़ने का अवसर देगी। इसके तहत चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन, टेस्टिंग और एडवांस्ड पैकेजिंग जैसी उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों में क्षमताएं विकसित की जाएंगी, जिससे बौद्धिक संपदा (आईपी) का सृजन होगा और लंबे समय तक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल की जा सकेगी। इससे पहले इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) भी कह चुका है कि सेमिकॉन 1.0 के तहत 20 अरब डॉलर से अधिक के सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट आकर्षित किए जा चुके हैं। वहीं सेमिकॉन 2.0 में फैब यूनिट्स, एडवांस्ड पैकेजिंग, डिजाइन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी), प्रतिभा विकास, उपकरण और कच्चे माल पर अधिक जोर दिया गया है, जिससे भारत को वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद सेमीकंडक्टर साझेदार बनाया जा सके। सरकार ने सेमिकॉन 2.0 के तहत 6 प्रमुख स्तंभों पर आधारित सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने का लक्ष्य रखा है। इनमें चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग उपकरण और सामग्री, फैब्रिकेशन सुविधाएं, एटीएमपी/ओसैट यूनिट्स, रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) और प्रतिभा विकास शामिल हैं। अब तक सरकार 12 सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग परियोजनाओं को मंजूरी दे चुकी है, जिनमें कुल निवेश 1.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक का है।

ग्लोबल दबाव के बीच भी चढ़ा भारतीय बाजार, खरीदारी को इन कारकों से मिला सहारा

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार के सत्र में बड़ी तेजी देखने को मिल रही है। दोपहर 12 बजे सेंसेक्स 801 अंक या 1.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,999 और निफ्टी 205 अंक या 0.85 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,277 पर था।

बाजार में तेजी ऐसे समय पर देखने को मिल रही है, जब अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण बनी हुई हैं और टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के शेयर बाजार लाल निशान में हैं।

बाजार में खरीदारों को सपोर्ट आईटी शेयरों से मिल रहा है। टेक महिंद्रा की ओर से उम्मीद से अच्छे नतीजे पेश किए जाने के कारण निफ्टी आईटी एक प्रतिशत की तेजी के साथ सूचकांकों में टॉप गेनर है।इसके अलावा, बड़े निजी बैंक जैसे कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक में खरीदारी से भी बाजार को सपोर्ट मिल रहा है।हालांकि, व्यापक बाजार में कमजोरी देखने को मिल रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 452 अंक या 0.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,236 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 178 अंक या 0.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,156 पर था।

भारत के भुगतान संतुलन में सुधार की उम्मीद, अगले वित्त वर्ष में सरप्लस में लौट सकता है : रिपोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। लगातार दो वर्षों के घाटे के बाद भारत का भुगतान संतुलन वित्त वर्ष 2026-27 में अधिशेष में लौट सकता है। इसका मुख्य कारण शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और अन्य पूंजी प्रवाह में मजबूती रहने की संभावना है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में शुद्ध एफडीआई बढ़कर 15 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 6.9 अरब डॉलर था। यह वृद्धि सकल एफडीआई प्रवाह में मजबूती के कारण संभव होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, एफसीएनआर (बी) जमा, एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबी) और ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग के लिए रियायती स्वैप विंडो के माध्यम से वित्त वर्ष 2026-27 में सामूहिक रूप से 45 से 60 अरब डॉलर का पूंजी प्रवाह हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि पूंजी खाते का अधिशेष

वित्त वर्ष 2025-26 के महज 2 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में लगभग 73 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

रेटिंग एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चालू खाता घाटे के अपने अनुमान को भी घटाकर जीडीपी के 0.8 से 1.2 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले यह अनुमान 2.1 प्रतिशत था।

सीएडी के अनुमान में यह कमी मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, सेवा निर्यात और रेमिटेंस में मजबूती तथा वस्तु निर्यात में सुधार के कारण की गई है।

रिपोर्ट में कहा गया, "हमारा संशोधित सीएडी अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि वित्त वर्ष 2026-27 में कच्चे तेल की औसत कीमत 80-85 डॉलर प्रति बैरल रहेगी। यदि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें इससे भी कम रहती हैं, तो सीएडी जीडीपी के 1 प्रतिशत से भी नीचे आ सकता है।"

सरकार ने विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए कई नीतिगत कदम उठाए हैं। इनमें विदेशी मुद्रा बॉन्ड के दायरे का विस्तार, सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले एफआईआई/एफपीआई के लिए कर छूट तथा एनआरआई और ओसीआई के लिए निवेश सीमा बढ़ाना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, डेट मार्केट से जुड़े कुछ उपाय भारत को ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में शामिल किए जाने की राह में मौजूद प्रमुख बाधाओं को भी दूर करते हैं। इन कदमों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) को भी समर्थन मिलने की उम्मीद है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ये कदम सही दिशा में

जिस देश में कार स्वामित्व कुल आबादी में आठ प्रतिशत से नीचे हो, वहां कार मालिकों को इतनी बड़ी सब्सिडी देना सिरे से काबिल-ए-एतराज है। इससे बेहतर नजरिया डीजल/ पेट्रोल कार रखना महंगा बनाना होता।

दिल्ली सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति सही दिशा में पहल है। राष्ट्रीय राजधानी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिहाज यह लाभदायक हो सकती है। लेकिन इस नीति का बोझ आम करदाताओं पर डालने पर नजरिया आपत्तिजनक है। उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करने के लिए 30 लाख रुपये तक की कारों पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में सौ फीसदी छूट दी गई है। साथ ही प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने के लिए बीएस-4 या उससे पुराने चार पहिया वाहनों के लिए एक लाख रुपये तक का स्क्रैपेज इंसेंटिव दिया जाएगा। अगले चार वर्ष में दिल्ली सरकार 15,000 करोड़ रुपये ऐसी सब्सिडी और ईवी के चार्जिंग स्थल बनाने आदि पर खर्च करेगी। स्पष्टत: राजकोष से खर्च होने वाला ये पैसा उन नागरिकों की कीमत पर होगा, जो कार रखने का सपना भी नहीं देख पाते। जिस देश में कार स्वामित्व कुल आबादी में आठ प्रतिशत से नीचे हो, वहां कार मालिकों को ऐसी सब्सिडी देना सिरे से काबिल-ए-एतराज है। इससे बेहतर नजरिया डीजल/पेट्रोल कार रखना महंगा बनाना होता। यह फैसला लिया जा सकता था कि ऐसी कार रखने वालों को ईवी की तुलना में दो या तीन गुना अधिक रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क देना होगा। सार्वजनिक स्थलों पर वैसे वाहनों का पार्किंग शुल्क भी दो या तीन गुना ज्यादा किया जा सकता था। भारत में कार रखने वाले तबकों के लिए यह खर्च कोई बड़ा बोझ नहीं है। उस स्थिति में इस जरूरी पहल का बोझ राजकोष पर नहीं पड़ता। बल्कि सरकार अतिरिक्त राजस्व जुटा सकती थी, जिसे सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था को दुरुस्त करने पर खर्च किया जा सकता था। लेकिन अब अंदेशा है कि सार्वजनिक कल्याण और गरीब तबकों को बुनियादी सुविधाएं देने के लिए रखे जाने वाले बजट पर ईवी को प्राथमिकता देने के निर्णय की मार पड़ेगी। दिल्ली सरकार ने एक जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक थ्री-व्हिलर्स (ई-ऑटो) का पंजीकरण करने और एक अप्रैल 2028 से पेट्रोल-सीएनजी दोपहिया वाहनों का पंजीकरण पूरी तरह बंद कर केवल इलेक्ट्रिक मॉडल्स को अनुमति देने का फैसला किया है। ये कदम सही दिशा में हैं।

लोग खुद ही नैरेटिव के जाल में फंसे

हरिशंकर व्यास

देश के नागरिकों के असली सरोकार अलग हैं और उनकी राजनीतिक चिंताएं या प्राथमिकताएं अलग हैं। यह पिछले 12 साल की राजनीतिक उपलब्धि है। पहले लोगों के जीवन की समस्या का रिफ्लेक्शन उनकी चुनावी प्राथमिकता में दिखता था। लोग सरकार से नाराज होते थे तो सरकार बदल देते थे। विपक्षी पार्टियों की रैलियों में नारा लगता था कि 'जो सरकार महंगाई न रोके वो सरकार निकम्मी है' और 'जो सरकार निकम्मी है वो सरकार बदलनी है'। लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह से बदल गई है। विपक्ष नारे तो लगा रहा है और लोग समझ भी रहे हैं कि सरकार महंगाई नहीं रोक पा रही है, सरकार रोजगार नहीं दे रही है, सरकार गरीबी कम नहीं कर पा रही है, सरकार दाखिला व रोजगार वाली परीक्षाएं ठीक से नहीं करा पा रही है फिर भी ऐसी सरकार बदल देनी है यह बात नहीं दिख रही है।

क्यों यह दो भारत की तरह का मामला नहीं है, बल्कि एक ही भारत के दो चरित्र हैं। एक ही व्यक्ति के दो चरित्र हैं। एक चरित्र तो वह है, जिसमे वह अपने और अपने परिवार के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी बातों की चिंता करता है। इसमें उसकी सबसे बड़ी चिंता है कि नौकरी नहीं मिल रही है। आर्थिक संकट है। महंगाई बढ़ रही है और दिन प्रतिदिन हालात खराब होते जा रहे हैं। उसका दूसरा चरित्र यह मजबूरी जाहिर करना है कि क्या करें, कोई रास्ता भी तो नहीं है। यह बड़ी कमाल की बात है कि हर मुश्किल के लिए पहले की सरकारों को जिम्मेदार ठहराया जाता है या फिर यह मजबूरी जाहिर की जाती है कि क्या करें अगर इस सरकार को हटाएं तो किसको चुन दें ऐसा कहने वाले या तो बहुत शातिर हैं या इतने भोले हैं कि उन्होंने सरकार की ओर से व्यवस्थित तरीके से चलाए गए इस कैम्पेन को स्वीकार कर लिया है कि विपक्ष बहुत निकम्मा है और इसलिए जो लोग अभी सरकार चला रहे हैं, वे जैसा चला रहे हैं वैसा ही चलने दिया जाए ऐसा भारत में पहले नहीं होता था और न दुनिया में किसी दूसरे देश में ऐसा होता है। यह कहीं नहीं होता है कि वास्तविकता के ऊपर झूठ का नैरेटिव इतना हावी हो जाए कि लोग अपनी वास्तविक समस्याओं को भूल कर नैरेटिव के आधार पर राजनीतिक विचार बनाएं और चुनाव में मतदान करें।

सोनम वांगचुक का व्यक्तिगत त्याग शिक्षा सुधार के राष्ट्रीय आंदोलन की प्रेरणा बने

सौरभ जैन अंकित

जब संसद का सत्र शुरू होता है तो देश की निगाहें बहस, हंगामे और नए कानूनों पर टिक जाती हैं। टेलीविजन चैनलों पर राजनीतिक समीकरणों का विश्लेषण शुरू हो जाता है और सुर्खियां यह तय करने लगती हैं कि कौन जीता और कौन हारा। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक सफलता का आकलन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि संसद ने कितने विधेयक पारित किए। असली सवाल यह है कि संसद ने देश के सामने मौजूद सबसे महत्वपूर्ण सवालों को कितनी गंभीरता से उठाया और उनके समाधान के लिए क्या ठोस कदम उठाए। आज ऐसा ही एक बड़ा सवाल संसद के बाहर खड़ा है, भारत की शिक्षा व्यवस्था का भविष्य क्या होगा? सामाजिक कार्यकर्ता, वैज्ञानिक, इंजीनियर और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक का अनिश्चितकालीन अनशन इसी सवाल को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला रहा है। उनका संघर्ष केवल किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार के खिलाफ आंदोलन नहीं है। यह उस शिक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता है, जो देश के करोड़ों बच्चों और युवाओं का भविष्य तय करती है।सोनम वांगचुक की पत्नी की चिंता स्वाभाविक है। हर दिन अपने पति के कमजोर होते शरीर को देखना किसी भी परिवार के लिए पीड़ादायक होगा। लेकिन यह व्यक्तिगत चिंता अब राष्ट्रीय चिंता बन चुकी है। जब कोई व्यक्ति अपने विश्वास और उद्देश्य के लिए अहिंसक तरीके से व्यक्तिगत त्याग का रास्ता चुनता है, तो उसका उद्देश्य केवल सरकार को झुकाना नहीं होता। वह समाज और सत्ता की अंतरात्मा को जगाने का प्रयास करता है। यही कारण है कि इस आंदोलन का परिणाम यदि केवल केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे या मंत्रालय में फेरबदल तक सीमित रह जाता है, तो यह एक बड़े राष्ट्रीय प्रश्न को छोटा कर देगा। लोकतंत्र में मंत्रियों की जवाबदेही आवश्यक है। यदि कोई मंत्री अपने

विभाग की विफलताओं की जिम्मेदारी नहीं लेता, तो उससे इस्तीफे की अपेक्षा करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन व्यक्ति बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। मंत्री आते-जाते रहते हैं, सरकारें बदलती रहती हैं, राजनीतिक दल सत्ता में आते-जाते रहते हैं, लेकिन शिक्षा संस्थाएं और नीतियां लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं। इसलिए आज भारत को केवल शिक्षा मंत्री बदलने की नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की दिशा बदलने की जरूरत है। लगभग डेढ़ दशक पहले भारत की करीब आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु की थी। अर्थशास्त्रियों ने इसे भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश कहा। दुनिया के किसी भी देश के लिए इतनी बड़ी युवा आबादी एक असाधारण अवसर होती है। यदि इस युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर मिलें, तो यह देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।भारत ने शिक्षा के क्षेत्र में पहुंच बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्कूलों और कॉलेजों की संख्या बढ़ी है। नामांकन में वृद्धि हुई है। शिक्षा का विस्तार पहले की तुलना में कहीं अधिक हुआ है। लेकिन केवल स्कूल और कॉलेज बढ़ा देना शिक्षा की सफलता का प्रमाण नहीं है। असली सवाल यह है कि बच्चे और युवा वास्तव में क्या सीख रहे हैं।आज भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी कक्षा के अनुरूप पढ़ने, लिखने और गणितीय कौशल में अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाते। उच्च शिक्षा में भी डिग्रियों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन शोध, नवाचार, आलोचनात्मक सोच और रोजगारपरक कौशल के क्षेत्र में अभी लंबी दूरी तय करनी है।भारत यदि स्वयं को 'विश्वगुरु' बनाना चाहता है, तो उसे केवल अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा व्यवस्था में शामिल करने से आगे बढ़ना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना और डिग्री देना नहीं हो सकता। शिक्षा का उद्देश्य जिज्ञासा पैदा करना, तर्कशील सोच विकसित करना, रचनात्मकता को बढ़ावा देना और युवाओं को बदलती दुनिया के लिए तैयार करना होना चाहिए।

भारत की शिक्षा नीति को राजनीतिक दलों की सीमाओं से ऊपर उठाना होगा। शिक्षा ऐसा विषय नहीं हो सकता जो हर सरकार के साथ बदल जाए। देश को शिक्षा के क्षेत्र में दीर्घकालिक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। सरकार कोई भी हो, शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक प्रशिक्षण, शोध, तकनीकी शिक्षा, मातृभाषा में सीखने, डिजिटल संसाधनों और रोजगारपरक कौशल पर निरंतर काम होना चाहिए।

चढ़ावा चोरी कांड तेजी से बढ़ते धार्मिक पर्यटन के लिए भी झटका है

अजय बोकिल

अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावा चोरों और उनके 'संरक्षकों' को इस बात का 'श्रेय' तो देना ही पड़ेगा कि उन्होंने देश भर में तमाम हिंदू मंदिरों के चढ़ावे और दान आदि के हिसाब किताब में चोरी चकारी और कुप्रबंधन की कलई खोलकर समूचे हिंदू समाज को उद्वेलित और आत्ममंथन के लिए विवश कर दिया है। यूं तो मंदिरों में गड़बड़ियां पहले भी होती रही होंगी, लेकिन अब तो इसका सीरियल ही चल पड़ा है। वैष्णो देवी, बद्रीनाथ धाम, गुजरात का मां अंबाजी मंदिर, मप्र के नलखेड़ा का मां बगुलामुखी मंदिर, बस्तर का मां दंतेश्वरी देवी मंदिर इन सबकी अंतर्कथा लगभग एक-सी है। चढ़ावे में चोरी, दान में, मंदिर के खजाने और जमीन वसीयतों आदि में हेराफेरी। हो सकता है कि गड़बड़ी के कुछ आरोप गलत भी हों, लेकिन इनसे यह तो साफ हो रहा है ज्यादातर मंदिरों के प्रबंधन में ऐसे लोग बैठे हैं, जिनका माया मोह भक्तों के भक्ति भाव से कहीं ज्यादा प्रबल, संगठित और मारक है। और तो और जिन मंदिरों में सरकारी अफसर बतौर सीईओ नियुक्त हैं, वहां भी गड़बड़ियां कम नहीं हैं। इन घटनाक्रमों ने हर आस्थावान हिंदू के मन में खिन्नता का भाव पैदा कर दिया है। वह मन ही मन सोचने लगा है कि आखिर इन मंदिरों में जाएं तो जाएं क्यों? जब हर जगह चोरों का ही बोलबाला है तो मंदिर में चढ़ावा चढ़ाएं क्यों? और जब भगवान खुद ही अपने घर में चोरी नहीं रोक पा रहे तो उस पर सौ फीसदी भरोसा जताए क्यों? और क्या मंदिरों का हिसाब किताब कभी सही ढंग से रखा भी जा सकेगा? क्या मालियों को ही फूल चुराने से रोका जा सकेगा? या सब कुछ वैसा ही चलता रहेगा, जैसा चल रहा है? उधर राम मंदिर चढ़ावा चोरी की एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट अभी नहीं आई है, लेकिन चढ़ावा चोरी को जायज ठहराने वाला एक बयान यूपी विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा नेता सतीश महाना का आ गया है। सतीश जी ने ज्ञान दिया कि वही चढ़ावा चोरी हुआ, जो भक्तों ने सच्ची श्रद्धा से नहीं दिया। एक तरह से उन्होंने श्रद्धा की शुद्धता जांचने का मीटर चढ़ावा चोरों के हाथ में ही थमा दिया। लिहाजा राम मंदिर चढ़ावा चोरी में आगे क्या होना है, इसे अभी से समझा जा सकता है। बहरहाल जो घट रहा है, जिस तरह से निर्लज्ज चढ़ावा चोरी की खबरें फैल रही हैं और जिस तरह से इसके लिए जिम्मेदार बड़े लोग पल्ला झाड़ रहे हैं, उसका सीधा असर मंदिरों में भक्तों के सैलाब पर पड़ने लगा है। बहुतों ने अपने मंदिर टूर के कार्यक्रम या तो रद्द कर दिए हैं या फिर आगे बढ़ा दिए

हैं। इस बीच अयोध्या के श्रीराम मंदिर में राम भक्तों की घटती कतारें और गिरते कारोबार की खबरें इस बात का स्पष्ट संकेत हैं। इसी संदर्भ में राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी का यह बयान भी हैरान करने वाला है कि इस चढ़ावा चोरी में उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती। फिर भी वो नैतिक आधार पर पाप प्रक्षालन के लिए धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। पद से इस्तीफे का (कु) विचार तो उनके मन को छू भी नहीं गया है। जबकि हकीकत में कोषाध्यक्ष होने के नाते उन्हीं की रवानगी सबसे पहले होनी थी। लेकिन अपराध के 'नैतिक पाप प्रक्षालन' का जो तरीका गोविंद गिरी ने बताया है, उसे तो सरकार को भारतीय न्याय संहिता में शामिल करने पर विचार करना चाहिए। दिलचस्प यह भी है कि गोविंद गिरी मूलत: कृष्ण भक्त हैं और भगवद गीता पर प्रवचन देते हैं, लेकिन उन्हें कोषाध्यक्ष श्रीराम मंदिर का बनाया गया है। हालांकि राम मंदिर ट्रस्ट भक्तों की संख्या और चढ़ावा घटने की खबरों का खंडन कर रहा है। लेकिन अयोध्या के कारोबारियों के चेहरे पर छाई उदासी और भक्तों की दुबली होती कतारें असली कहानी कह जाती हैं। इस चढ़ावा चोरी प्रकरण का सीधा दुष्प्रभाव उस धार्मिक पर्यटन प्रमोशन थ्योरी पर भी पड़ा है, जिसके माध्यम से सरकार देश की अर्थ व्यवस्था गति देने का सपना देख रही थी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड के आरोपियों को सजा होगी या नहीं, कितनी होगी, बड़े मगरमच्छ पकड़े जाएंगे या नहीं या फिर सिर्फ लीपापोती कर भोले हिंदुओं को ठगा जाएगा, इन सवालों के जवाब अभी मिलने हैं। मंदिर की व्यवस्थाओंमें सुधार के भी संकते संकेत हैं, लेकिन राम मंदिर सहित सभी बड़े मंदिरों का प्रबंधन बेदाग हो, इसके लिए क्या किया जा रहा है अथवा क्या किया जाना चाहिए, इस बारे में चीजें अभी बहुत स्पष्ट नहीं है। ऐसी कोई सामान्य और कठोर आचार संहिता पर भी बात नहीं हो रही है। चिंता की बात तो यह है कि अधिकांश मंदिरों के प्रबंधकर्ता मंदिर को 'कामधेनु' समझ कर ही काम कर रहे हैं। श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी का अन्य मंदिरों के 'चोरों' के हौसलों पर कोई असर नहीं पड़ा है।

उदाहरण के लिए चार धाम में से एक बद्रीनाथ धाम मंदिर के चढ़ावे में चोरी की मंदिर की आंतरिक जांच पुलिस कार्रवाई तक पहुंच गई है और एसआईटी ने मंदिर के एक कर्मचारी को गिरफ्तार भी किया है। उल्लेखनीय है कि मंदिर चढ़ावे में चोरी की शिकायत भैरव सेना के संस्थापक संदीप खत्री ने श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के मुख्य कार्याधिकारी को लिखित रूप में की थी। राज्य सरकार ने अब इसकी जांच एक उच्चस्तरीय समिति को सौंपी है। इसी तरह जम्मू के प्रसिद्ध श्री वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ावे की चांदी में 550 करोड़ रू. की हेराफेरी का मामला सामने आया है। एक भक्त ने इसकी शिकायत पुलिस में की थी। जम्मू की एक अदालत ने पुलिस को शिकायत के सम्बन्ध में पूरा रिकॉर्ड 29 जुलाई तक पेश करने निर्देश दिया है। बताया जाता है कि मंदिर में चढ़ावे के रूप में लगभग 550 करोड़ रुपये मूल्य की चांदी प्राप्त हुई थी, जिसमें से केवल 20 से 30 करोड़ रुपए मूल्य की चांदी ही असली थी, जबकि शेष चांदी नकली या मिलावटी थी। इस कथित नकली चांदी में जहरीला कैडमियम मिले होने की बात भी सामने आई है। यह मामला अब राजनीतिक रंग भी लेता जा रहा है।

गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर दान चोरी का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद चढ़ावा गिनती की कलेक्टर ने व्यवस्था को बदला दिया है। एक आरोपी को तुरंत नौकरी से निकाल दिया गया है।

मप्र के आगर मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित सिद्धपीठ मां बगुलामुखी मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच शुरू हो चुकी है। मंदिर के नाम पर तीन साल पहले यानी 2024 में बनी 'नलखेड़ा सुदर्शन सेवा समिति' के पदाधिकारी अंडरग्राउंड हैं। नियम विरुद्ध बनी इस समिति में 12 सदस्य हैं। समिति की वो रसीद बुक भी सामने आई है, जिसके माध्यम से समिति के लोग चंदा इकट्ठा करते थे। इस पर रजत सौंदर्यीकरण हेतु दान पत्र लिखा है। समिति यह रसीद श्रद्धालुओंको दे रही थी। इस मामले में गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में गड़बड़ी के आरोपों को सही नहीं पाया है। उल्लेखनीय है कि बगलामुखी मंदिर प्रबंध समिति के नाम से पहले से सरकारी समिति है, जिसके पदेन अध्यक्ष एसडीएम होते हैं। मंदिर के नाम और तस्वीरों का उपयोग कर फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी आईडी संचालित कर ठगी का धंधा अलग चल रहा है।

उधर बस्तर के प्राचीन मां दंतेश्वरी देवी मंदिर में चार दशकों से चढ़ावे, दान, सम्पत्ति, आभूषणों का कोई हिसाब सार्वजनिक नहीं किया गया है। जबकि 6 साल पहले कोर्ट ने हिसाब सार्वजनिक करने का आदेश दिया था। न कोई जांच हुई और न ही कोई रिपोर्ट सामने आई। वर्ष 1981 के बाद से मंदिर की संपत्ति का सत्यापन भी नहीं हुआ। मंदिरों में भक्तों की आस्था के प्रतीक चढ़ावे और दान की चोरी के निकृष्ट अपराध और नैतिक अधःपतन का गलत संदेश पूरी दुनिया में जा रहा है। इसका असर धार्मिक पर्यटन पर पड़ने लगा है। चढ़ावा चोरी की घटनाएं सार्वजनिक होने से पहले देश में धार्मिक पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन 10.2 फीसदी की दर से बढ़ रहा था। भारत में कुल पर्यटन में 60 फीसदी हिस्सेदारी धार्मिक पर्यटन की हो चुकी थी। 2032 तक 2032 तक धार्मिक पर्यटन कारोबार के 4 खरब 24 अरब रूपए तक पहुंचने की उम्मीद थी। सभी प्रसिद्ध मंदिरों भक्तों के रेले उमड़ रहे थे, लेकिन अब इसकी रफ्तार मंद होने लगी है। हालात नहीं सुधरे तो अर्थ व्यवस्था के लिए भी यह बड़ा झटका होगा।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। शिक्षा से रिलेटेड आपकी मनोकामना आज पूरी होगी और आपको परीक्षा में अच्छे अंक मिलेंगे, जिससे अच्छे कॉलेज में आप एडमिशन ले पाएंगे। आज व्यापार में आपको नये सुनहरे अवसर मिलने की संभावना है।

वृष राशि: वृष राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज का दिन व्यापार के लिए फायदेमंद रहेगा, रोज की अपेक्षा अधिक लाभ होगा। आज निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके आपको मिल सकते हैं, बेहतर होगा किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लें। आज का दिन नई कार्य योजना बनाने और फैसला लेने के लिए बहुत अच्छा है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका मन नये कार्यों को सीखने में लगेगा। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बने हुए हैं। आज अपने कार्यों को पूरी सावधानी से करें, साथ ही दूसरों की हर संभव मदद करें।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। आप अपनी सोच को सकारात्मक रखें। आज आर्थिक मामलों पर मनन और चिंतन करने की जरूरत है। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की योजना बन सकती है। आज जॉब स्विच करने का मन बना सकते हैं, इसके लिए आपको अच्छे ऑप्शन मिल जाएंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। बिजनेस में आज परिवार से सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी में पब्लिक डीलिंग करते समय आज नकारात्मक शब्दों के प्रयोग से बचें। अपनी वाणी में विनम्रता लाएं।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज ट्रांसफर ऐसी जगह होगा जहां से आपको अप-डाउन करने में आसानी होगी। आज आप छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढने का प्रयास करेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत होगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज आपका सामाजिक कार्यों में रुझान बढ़ेगा। आपके कामों से आपके पड़ोसी प्रभावित होंगे। आज आपका मन नये कार्यों को सीखने के लिए उत्साहित रहेगा। आपके करियर में सार्थक बदलाव आएंगे, आप कुछ इनोवेटिव करने का प्रयास करेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्साहवर्धक रहेगा। प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा है। बड़े-बुजुर्गों की सलाह आज आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। अचानक धन लाभ का योग बन रहा है। आज आपका झुकाव समाज सेवा की तरफ रहेगा। शत्रु पक्ष आपको परेशान करने का प्रयास करेगा, लेकिन आप अपनी समझ-बुझ से समस्याओं से बाहर निकलने में कामयाब होंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज दिन आपके लिए नई ऊर्जा से भरा रहने वाला है। आज अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। आप घर पर किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करेंगे। राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज लोगों के बीच आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आएगा। कार्य स्थल पर अधिकारी आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। आज समय का सदुपयोग करके आप अपने कार्य की गुणवत्ता को बेहतर कर सकते हैं।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। आज कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी। आज आपकी बात किसी बचपन के दोस्त से हो सकती है। घर के किसी सदस्य की उपलब्धि से प्रसन्नता भरा माहौल रहेगा। आज आपकी सकारात्मक सोच कार्यों को पूरा करने में मदद करेगी।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा।

आज जिस भी कार्य को शुरू करेंगे उसमें आपको निश्चित ही सफलता मिलेगी। संतान के करियर को लेकर आज आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

अकादमिक सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और कर्मचारी हितों के साथ आगे बढ़ता छत्तीसगढ़

-362 सहायक प्राध्यापक बने प्रोफेसर, 152 प्रोफ़ेसर हुए प्राचार्य पदोन्नति, शैक्षणिक नेतृत्व को मिली नई मजबूती

विष्णु प्रसाद वर्मा

किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है और इसकी गुणवत्ता केंद्र में खड़े शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों की सक्षमता, सुरक्षा और सम्मान पर निर्भर करती है। जब उच्च शिक्षा व्यवस्था में कार्यरत मानव संसाधन को पदोन्नति, सेवा सुरक्षा, वित्तीय सम्मान और शोध के अवसर एक साथ मिलते हैं, तब शिक्षा राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की सबसे मजबूत धुरी बन जाती है। छत्तीसगढ़ का उच्च शिक्षा विभाग इन दिनों इसी व्यापक और समग्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग को केवल भवनों, पाठ्यक्रमों और परीक्षाओं तक सीमित न रखकर उसे अकादमिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता, रोजगार सृजन, शोध संवर्धन और कर्मचारी कल्याण से जोड़ा है। हाल के महीनों में लिए गए निर्णय इस बात के प्रमाण हैं कि सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को भविष्य के ज्ञान-केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पदोन्नतियों की लंबित फाइलों को गति देना, नई भर्तियां, वेतनमान व एरियर्स का निराकरण, तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति, शोध को प्रोत्साहन और अनुकंपा नियुक्ति जैसे कदमों से विभाग ने हर मोर्चे पर ठोस और संवेदनशील पहल की है।

पदोन्नति से संस्थागत नेतृत्व को नई शक्ति

उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का एक बड़ा आधार उनका नेतृत्व होता है। जब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग्य और अनुभवी शिक्षकों को समय पर पदोन्नति मिलती है, तो उसका सीधा असर संस्थान की कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक क्षमता पर दिखाई देता है। लंबित पदोन्नति प्रक्रियाओं को गति देकर राज्य सरकार ने एक निर्णायक पहल की है।

वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 362 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नत कर प्राध्यापक (प्रोफेसर) बनाया गया है। इसके साथ ही 152 पदोन्नत प्राध्यापकों को स्नातक प्राचार्य तथा 07 स्नातक प्राचार्यों को स्नातकोत्तर (PG) प्राचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया है। इन निर्णयों से महाविद्यालयों की कमान अनुभवी हाथों में पहुँची है, जिससे संस्थागत निर्णय क्षमता, शैक्षणिक अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत होगी।

सीधी भर्ती से युवाओं के लिए खुले अवसरों के नए द्वार

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के लिए संस्थानों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक और विशेषज्ञ अनिवार्य हैं। राज्य सरकार ने रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर युवाओं के लिए सरकारी सेवा में प्रवेश के बड़े अवसर निर्मित किए हैं। शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापकों के 595 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो चुकी है।

इसके अतिरिक्त, विभागीय संरचना को सशक्त बनाने के लिए कुल 700 पदों पर सीधी भर्ती को मंजूरी दी गई है। इनमें 625 पद सहायक प्राध्यापक, 50 पद ग्रंथपाल और 25 पद क्रीड़ाधिकारी के शामिल हैं। सहायक प्राध्यापकों की भर्ती से विषयवार अध्यापन की गुणवत्ता बेहतर होगी, ग्रंथपालों से पुस्तकालय अकादमिक संसाधनों के प्रभावी केंद्र बनेंगे और क्रीड़ाधिकारियों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा। यह अभियान प्रदेश के योग्य युवाओं को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनने जा रहा है।CG-SET: युवा अकादमिक प्रतिभाओं के लिए बड़ी उम्मीद राज्य में सहायक प्राध्यापक बनने की आकांक्षा रखने वाले हजारों युवाओं के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (CG-SET) एक महत्वपूर्ण अवसर है। विभाग द्वारा CG-SET का आयोजन 04 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित है द्य सरकार नई पीढ़ी की प्रतिभाओं को अकादमिक करियर में आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है। यह परीक्षा छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक परिदृश्य और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाने का अवसर देती है।

प्रयोगशालाओं और तकनीकी तंत्र को मिला नया आधार

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक विषयों के लिए प्रयोगशालाएं, उपकरण और प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ उतने ही आवश्यक हैं जितने कक्षा और कक्ष। वर्ष 2025-26 के दौरान प्रयोगशाला तकनीशियन के 260 रिक्त पदों के विरुद्ध 247 अभ्यर्थियों तथा प्रयोगशाला परिचारक के 429 रिक्त पदों के विरुद्ध 399 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता से प्रयोगशालाओं का नियमित संचालन और विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी।

वेतनमान, एरियर्स और सेवा सुरक्षा: कर्मचारियों का बढ़ा भरोसा

विभागीय मजबूती का सबसे बड़ा आधार कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, न्यायपूर्ण वेतन संरचना और लंबित मामलों का समयबद्ध समाधान है। आपातकालीन रूप से अचयनित रहे 72 सहायक प्राध्यापकों को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठ, प्रवर श्रेणी और पे-बैंड-4 की स्वीकृति देकर 37.23 करोड़ रुपये की एरियर्स राशि उनके खातों में अंतरित की गई है, जो संस्थागत न्याय का प्रतीक है।

इसी तरह, वर्ष 2021 और 2022 में नियुक्त लगभग 1168 सहायक प्राध्यापकों में से रिकॉर्ड 935 नवनियुक्त प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। परिवीक्षा समाप्त होना कर्मचारियों के लिए स्थायित्व और पेशेवर सुरक्षा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिससे विभाग के भीतर प्रतिबद्ध शैक्षणिक कार्यबल तैयार हुआ है।

शोध, अनुसंधान और गैर-अकादमिक स्टाफ का कल्याण उच्च शिक्षा व्यवस्था में शोध और नवाचार की भूमिका को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा 577 सहायक प्राध्यापकों को पीएचडी करने की अनुमति देना एक दूरदर्शी निर्णय है। अधिक शिक्षक जब शोध से जुड़ेंगे, तो कक्षा में अद्यतन ज्ञान पहुंचेगा और महाविद्यालयों में बौद्धिक विमर्श का स्तर ऊपर उठेगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 18 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

जम्मू-कश्मीर के डोडा में SOG जवानों से राइफल छीनने की कोशिश, युवक की मौत; 3 पुलिसकर्मी घायल

डोडा (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (SOG) के जवानों से सर्विस राइफल छीनने की कथित कोशिश के दौरान हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन एसओजी जवान घायल हो गए। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना के संबंध में एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया गया है। हालांकि, उसका इस मामले से क्या संबंध है, इसकी जांच की जा रही है और अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात एसओजी की एक टीम को ऊंचाई वाले क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम भद्रवाह शहर से करीब 35 किलोमीटर दूर जाई-गंडोह मार्ग पर घात लगाकर निगरानी कर रही थी।

रात करीब 11:30 बजे एसओजी जवानों ने एक युवक को रोकने का प्रयास किया। पुलिस का आरोप है कि युवक ने जवानों पर हमला कर उनकी सर्विस राइफल छीनने की कोशिश की। धक्का-मुक्की के दौरान एक जवान की गोली चल गई, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान तीन एसओजी जवान भी घायल हुए।

घायलों को पहले भद्रवाह के उप-जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज, डोडा रेफर किया गया। अधिकारियों के अनुसार, घायल युवक की पहचान चीका गांव निवासी 30 वर्षीय आरिफ हुसैन के रूप में हुई, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

घटना के बाद भद्रवाह शहर में एहतियात के तौर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) और पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई है। वहीं, सेना ने जाई क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। मामले की जांच जारी है।

अनुराग कुमार बनाए गए दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर, संभालेंगे सतीश गोलचा की जगह

नई दिल्ली(आरएनएस)। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के पूर्व विशेष निदेशक अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने सतीश गोलचा की रिटायरमेंट से पहले ही उन्हें पद से हटाते हुए अनुराग कुमार को कार्यभार सौंपा है। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया, सक्षम अधिकारी की मंजूरी से, 1994 बैच के आईपीएस अनुराग कुमार को पद संभालने की तारीख से और अगले आदेश तक दिल्ली का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया जाता है। आईपीएस अनुराग कुमार की नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) की ओर से उन्हें इंटेलिजेंस ब्यूरो से उनके मूल कैडर में वापस भेजने के बाद हुई है। भारत की प्रमुख एजेंसी खुफिया ब्यूरो में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी रणनीति, खुफिया जानकारी जुटाने और उसके विश्लेषण समेत अन्य संवेदनशील सुरक्षा मामलों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं।

इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अनुराग कुमार को पुलिसिंग में उनकी बेहतरीन सेवा के लिए कुछ सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा जा चुका है। उन्हें 2010 में सराहनीय सेवा के लिए पुलिस मेडल और बाद में 2016 में फोर्स में उनके असाधारण योगदान के लिए विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस मेडल से सम्मानित किया गया।

दिल्ली पुलिस के प्रमुख के तौर पर अनुराग कुमार पर राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी। राष्ट्रीय राजधानी में संसद, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, सुप्रीम कोर्ट और कई विदेशी दूतावासों सहित देश के प्रमुख संवैधानिक और प्रशासनिक संस्थान स्थित हैं।

जग्गू भगवानपुरिया गैंग का गैंगस्टर नीतीश कौशल पकड़ा गया, अमेरिका ने 2 दिन पहले ही मोस्ट वांटेड लिस्ट में किया था शामिल

नई दिल्ली(आरएनएस)। अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने जग्गू भगवानपुरिया गैंग से जुड़े गैंगस्टर नीतीश कौशल को अमेरिका के वर्मोंट से गिरफ्तार कर लिया है। खास बात यह है कि FBI ने महज दो दिन पहले ही उसे अपनी मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया था। गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन हार्ड बॉल') के तहत की गई है। FBI के अनुसार, नीतीश कौशल पर अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट का सक्रिय सदस्य होने का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि वह हत्या, ड्रग तस्करी, रंगदारी, अपहरण, हथियारों की तस्करी, हवाला और मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में शामिल रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, जग्गू भगवानपुरिया गैंग की जड़ें पंजाब से जुड़ी हैं, जबकि इसका नेटवर्क अमेरिका के कैलिफोर्निया समेत कई देशों तक फैला हुआ है। आरोप है कि नीतीश कौशल ने गैंग के लिए अपहरण, हमलों और अन्य हिंसक वारदातों को अंजाम दिया।

25 जून को कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने नीतीश कौशल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उसके खिलाफ Racketeer Influenced and Corrupt Organizations (RICO) Conspiracy के तहत मामला दर्ज किया गया था। FBI का 'ऑपरेशन हार्ड बॉल' अमेरिका, कनाडा और यूरोप में फैले अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क के खिलाफ चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 50 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की गई है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामान और मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। FBI के निशाने पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग, जग्गू भगवानपुरिया गैंग और गोल्डी बराड़ से जुड़े नेटवर्क भी हैं। एजेंसी इन संगठित अपराध सिंडिकेटों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार अभियान चला रही है।अमेरिका की ग्रैंड ज्यूरी पहले ही अमेरिका, कनाडा, मेक्सिको और भारत तक फैले कथित अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क का खुलासा कर चुकी है। चार्जशीट में जग्गू भगवानपुरिया और उसके सहयोगियों पर अवैध हथियारों की तस्करी, रंगदारी, हत्या की साजिश और ड्रग तस्करी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियां पहले भी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले इस गैंग के ड्रग तस्करी नेटवर्क को लेकर कई बड़े खुलासे कर चुकी हैं।

भारत नहीं पहुंचा कोर्ट, फिर भी भरना पड़ रहा उसका खर्च! सिंधु जल विवाद में पाकिस्तान पर बढ़ा करोड़ों का बोझ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जारी विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार चर्चा का कारण अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की वह प्रक्रिया है, जिसमें भारत की अनुपस्थिति के बावजूद पाकिस्तान को न केवल अपना, बल्कि भारत के हिस्से का खर्च भी वहन करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक पाकिस्तान इस प्रक्रिया पर 6 लाख डॉलर (करीब 5.77 करोड़ रुपये) से अधिक खर्च कर चुका है।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी, जिसके तहत दोनों देशों के बीच सिंधु नदी प्रणाली के जल बंटवारे के नियम तय किए गए। विवाद की शुरुआत 2016 में हुई, जब भारत ने जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा जलविद्युत परियोजना पर काम तेज किया और चिनाब नदी पर रैटल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की घोषणा की। पाकिस्तान ने इन परियोजनाओं के डिजाइन पर आपत्ति जताते हुए दावा किया कि वे संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं। भारत का रुख था कि ऐसे तकनीकी विवाद का समाधान संधि के तहत नियुक्त न्यूट्रल एक्सपर्ट के जरिए होना चाहिए, जबकि पाकिस्तान ने मामला सीधे पर्मानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (PCA) में पहुंचा दिया। इसके बाद दोनों प्रक्रियाएं समानांतर रूप से चलने लगीं, जिसका भारत ने लगातार विरोध किया।

भारत ने क्यों बनाया दूरी?

भारत का कहना है कि एक ही विवाद पर दो समानांतर प्रक्रियाएं नहीं चल सकतीं और PCA को इस मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं है। इसी वजह से भारत ने 2023 से PCA की कार्यवाही में हिस्सा लेना बंद कर दिया।

इसके बाद 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला किया और न्यूट्रल एक्सपर्ट की प्रक्रिया से भी दूरी बना ली। भारत का स्पष्ट रुख है कि वह फिलहाल इस विवाद से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं में शामिल नहीं होगा।

पाकिस्तान क्यों उठा रहा भारत का खर्च?

भारत के बहिष्कार के बावजूद पाकिस्तान ने PCA में सुनवाई जारी रखी। जून 2025 में अदालत ने खुद को इस मामले की सुनवाई के लिए सक्षम बताया और कहा कि सिंधु जल संधि को एकतरफा स्थगित नहीं किया जा सकता। इसके बाद भी भारत ने किसी भी सुनवाई में भाग नहीं लिया।

अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की कार्यवाही का खर्च सामान्यत: दोनों पक्षों द्वारा साझा किया जाता है।

लेकिन भारत की गैरमौजूदगी और फीस जमा नहीं करने के कारण पाकिस्तान को पूरी प्रक्रिया का खर्च उठाना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक पाकिस्तान 6 लाख डॉलर से अधिक खर्च कर चुका है, जिसमें भारत के हिस्से का भुगतान भी शामिल है। भारत का कहना है कि वह PCA की वैधता को स्वीकार नहीं करता, जबकि पाकिस्तान इस मंच के जरिए अपने दावों को आगे बढ़ाने में जुटा है। ऐसे में सिंधु जल संधि को लेकर दोनों देशों के बीच कानूनी और कूटनीतिक टकराव अभी जारी रहने के संकेत हैं।

मानसूनी बारिश के बीच धान की रोपाई में जुटे किसान खरीफ सीजन की शुरुआत पूरे उत्साह के साथ कर रहे हैं। भरपूर एवं समृद्ध फसल की उम्मीद के साथ किसान खेती की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया को गति दे रहे हैं। खरीफ सीजन की रौनक गांवों में लौट आई है।

गुजरात एटीएस का बड़ा एक्शन : जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 5 और संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, स्लीपर सेल नेटवर्क की जांच तेज

अहमदाबाद ,(आरएनएस)। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ता (ATS) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) से कथित तौर पर जुड़े पांच और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इनकी गिरफ्तारी राज्य के विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियान के दौरान की गई।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब काडीवाल उर्फ मोहम्मद खड़ियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन क. राडिया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अयूब सुमासरा उर्फ मोहम्मद खली के रूप में हुई है।एटीएस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए इन पांचों संदिग्धों के तार पिछले महीने गिरफ्तार किए गए आठ अन्य आरोपियों से जुड़े पाए गए हैं। जांच एजेंसियां इनकी भूमिका और आपसी संपर्कों की गहन जांच कर रही हैं।गुजरात ATS का कहना है कि जैश-ए-मोहम्मद लंबे समय से गुजरात में अपना नेटवर्क और कथित स्लीपर सेल तैयार करने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या राज्य के कुछ लोगों को संगठन से जोड़कर उसकी गतिविधियों को विस्तार देने का प्रयास किया गया।एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक हर्ष उपाध्याय ने बताया कि पहले गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों से पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर इन पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया गया ।

प्रधानमंत्री मोदी के ग्रीन मोबिलिटी विजन को दर्शाती है स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन- पीयूष गोयल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन संचालित ट्रेन के शुभारंभ को देश की हरित परिवहन (ग्रीन मोबिलिटी) यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वच्छ, टिकाऊ और आत्मनिर्भर परिवहन व्यवस्था की दिशा में भारत के बढ़ते कदमों को दर्शाती है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 卐भारत के ग्रीन मोबिलिटी भविष्य के लिए सचमुच एक ऐतिहासिक क्षण। आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद-सोनीपत रूट पर भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। 1200 किलोवाट के हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रोपल्शन सिस्टम से चलने वाली और सिर्फ पानी की भाप छोड़ने वाली यह 10-कोच वाली इंजीनियरिंग की अद्भुत मिसाल है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' और एक साफ-सुथरे, हरे-भरे भविष्य की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है।卐

उन्होंने लिखा, 卐प्रधानमंत्री मोदी के इनोवेशन-आधारित, नेट-जीरो ग्रोथ के विजन से प्रेरित और जींद में विकसित स्वदेशी हाइड्रोजन स्टोरेज व रीफ्यूलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के सहयोग से भारत गर्व के साथ उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो टिकाऊ रेल परिवहन के क्षेत्र में नई पहल कर रहे हैं और क्लीन मोबिलिटी में नए मानक स्थापित कर रहे हैं।卐

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू में नॉर्दर्न रेलवे के 89 किलोमीटर लंबे जींद-सोनीपत सेक्शन पर चलेगी। यह भारत में ही डिजाइन, इंजीनियरिंग और एकीकृत की गई है। इसे स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके बनाया गया, जो उन्नत रेलवे इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है। इसके साथ ही, भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा जिनके पास हाइड्रोजन-चालित ट्रेनें परिचालन में हैं।

कांग्रेस पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार है : गुरजीत औजला

नई दिल्ली (ए.)। पंजाब कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियां तेज़ कर दी हैं। पार्टी ने चुनाव आयोग को बूथ लेवल एजेंट (BLA-1 और BLA-2) की सूची सौंप दी है तथा बूथ और ब्लॉक स्तर पर संगठन को सक्रिय करने का अभियान तेजी से चल रहा है। यह जानकारी अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने नई दिल्ली में दी। औजला ने कहा कि कांग्रेस पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार है और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग को BLA-1 और BLA-2 की सूची सौंप दी गई है, जिससे मतदाता सूची से जुड़े कार्यों और चुनावी तैयारियों को मजबूती मिलेगी। प्रदेश नेतृत्व को लेकर पूछे गए सवाल पर औजला ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान जो भी निर्णय करेगा, सभी नेता उसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी चुनाव अभियान समिति (कैंपेन कमेटी) के अध्यक्ष हैं, जबकि अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। पार्टी पूरी एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी।इस दौरान औजला ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर पंजाब के सीमावर्ती जिलों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर एक मांग-पत्र भी सौंपा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए विशेष विकास पैकेज की मांग करते हुए कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री का यह पंजाब का तीसरा दौरा है, लेकिन सीमा क्षेत्र अब भी बड़े विकास पैकेज का इंतजार कर रहा है।औजला ने कहा कि पाकिस्तान सीमा से ड्रोन के माध्यम से हो रही नशे और हथियारों की तस्करी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है।

शामली से योगी का विपक्ष पर तीखा वार, बोले- जिन्ना के उपासक विकास और विरासत के विरोधी

शामली, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शामली में 581 करोड़ रुपये की लागत वाली 89 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए दोनों दलों को जिन्ना का उपासक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले विकास कार्य ठप थे, बिजली, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं बदहाल थीं, लेकिन डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदल दी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कभी आतंक, पलायन और गुंडागर्दी के लिए चर्चा में रहने वाला शामली आज विकास का नया केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-देहरादून, शामली-अंबाला और प्रस्तावित शामली-गोरखपुर एक्सप्रेसवे के संगम के कारण यह जिला भविष्य में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का महत्वपूर्ण विकास केंद्र बनेगा।

अवैध बांग्लादेशी-रोहिंग्या नेटवर्क पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, पांच राज्यों में छापे; नकदी और सोना बरामद

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को भारत में बसाने से जुड़े कथित नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में एक साथ छापेमारी की। एजेंसी का दावा है कि यह नेटवर्क विदेशों से प्राप्त धन का इस्तेमाल कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, अवैध घुसपैठियों को देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने और उनकी आजीविका की व्यवस्था करने में कर रहा था। जांच एजेंसी को इस नेटवर्क के तार आतंकी फंडिंग से जुड़े होने का भी संदेह है, जिसकी जांच जारी है।

ईडी के अनुसार, छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल के कलिकापुर स्थित हरोरा अल-जामियातुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम सोने के सिक्के बरामद किए गए। धनशोधन निवारण अधिनियम (PML) के तहत उत्तर प्रदेश के सहारनपुर (देवबंद), दिल्ली के जामिया नगर, हरियाणा के बल्लभगढ़, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और मुर्शिदाबाद तथा महाराष्ट्र के रायगढ़ सहित 13 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान ईडी ने कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, एजेंसी ऐसे कथित गिरोह की जांच कर रही है, जो विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (FCR) के तहत पंजीकृत कुछ ट्रस्टों और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से काम कर रहा था।

ईडी कुछ ट्रस्टों, स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े वित्तीय लेन-देन की भी जांच कर रही है। एजेंसी को संदेह है कि कुछ संस्थाओं के जरिए छोटी-छोटी किस्तों में बड़ी रकम का लेन-देन किया गया। कई बैंक खातों और कथित रेंट अकाउंट के इस्तेमाल की भी जांच की जा रही है।

यह कार्रवाई वर्ष 2024 में दर्ज उस मामले पर आधारित है, जिसे उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (PATS) ने दर्ज किया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि एक संगठित गिरोह रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश दिलाने, उनके लिए आधार, पैन और पासपोर्ट जैसे फर्जी पहचान दस्तावेज तैयार कराने तथा उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने में मदद कर रहा था।

ईडी के मुताबिक, जांच में सामने आया है कि संदिग्धों को भारत में बसाने के लिए 6 हजार, 8 हजार और 10 हजार रुपये जैसी छोटी-छोटी किस्तों में धनराशि भेजी गई। एजेंसी का कहना है कि विदेशी चंदे, बैंक खातों, बिचौलियों और जटिल वित्तीय लेन-देन के जरिए धन के प्रवाह की विस्तृत जांच की जा रही है।

पीएम मोदी का हाथ से लिखा 'वंदे मातरम' पोस्टकार्ड लेकर अंतरिक्ष की उड़ान भरेगा विक्रम-1

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है, 18 जुलाई को कंपनी की विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है, 18 जुलाई को कंपनी की विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में स्काईरूट एयरोस्पेस ने कहा कि इस मिशन में ले जाए जाने वाले खास पेलोड में पीएम मोदी का हाथ से लिखा संदेश भी शामिल होगा। इसके साथ ही, कंपनी की टीम, निवेशकों, नीति-निर्माताओं और दुनिया भर के शुभचिंतकों के हाथ से लिखे नोट भी इसमें शामिल होंगे।कंपनी ने कहा, विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 पर ले जाए जा रहे पेलोड में एक बहुत ही खास चीज है, पीएम मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है।स्काईरूट के अनुसार, ये यादगार चीजें 'मिशन आगमन' का हिस्सा हैं, जिसे कंपनी ने कई हाथों से आगे बढ़ाया गया और लाखों लोगों द्वारा साझा किया गया एक उत्सव बताया है।कंपनी ने कहा कि हाथ से लिखे ये संदेश भारत के बढ़ते प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम के लिए सामूहिक समर्थन का प्रतीक हैं और विक्रम-1 मिशन के साथ अंतरिक्ष में जाएंगे।यादगार चीजों के अलावा, विक्रम-1 में कॉस्मोसर्व, डी-क्यूब्ड और स्काईरूट के अपने स्कोप से टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेशन पेलोड ले जाए जाएंगे। साथ ही, इसमें कॉसमॉस डायमंड्स का बनाया आर्टवर्क 'कॉस्मिक ब्लूम' और एक माइक्रो-आर्ट पेलोड भी होगा।

पाकिस्तान की नई नापाक चाल, भारत के इस हिस्से को 5वां प्रांत बनाने की तैयारी; विधानसभा में पास हुआ प्रस्ताव

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज आने को तैयार नहीं है। अब इस पड़ोसी मुल्क ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र को अपना पांचवां प्रांत बनाने की दिशा में एक बड़ा और विवादित कदम उठाया है। गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित करके पाकिस्तान सरकार से मांग की है कि वह संविधान में संशोधन कर इस इलाके को देश का पांचवां आधिकारिक प्रांत घोषित करे।

संसद में जाएगा प्रस्ताव, आंतरिक कलह छिपाने की बड़ी साजिश

गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा से पास होने के बाद अब इस प्रस्ताव को पाकिस्तान की संसद के पास भेजा जाएगा। अगर संसद इस संविधान संशोधन को अपनी मंजूरी दे देती है, तो गिलगित-बाल्टिस्तान को औपचारिक रूप से पाकिस्तान का प्रांत बनाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस प्रस्ताव में क्षेत्र को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली और सीनेट में भी प्रतिनिधित्व देने की मांग रखी गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा और खैबर पख्तूनख्वा में विद्रोह जैसी चुनौतियों से घिरी पाकिस्तानी सरकार और सेना अपने आंतरिक संकट से ध्यान भटकाने के लिए यह नया दांव खेल रही है।

गठबंधन की सरकार बनते ही बदला

राजनीतिक खेल

इस बड़े कदम के पीछे हालिया चुनाव के समीकरण भी अहम हैं। 7 जून को गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा चुनाव हुए थे, जिसमें भारी धांधली के आरोपों के बीच बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। किसी भी दल को बहुमत न मिलने पर पीपीपी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) के बीच गठबंधन हुआ। इस सत्ता साझेदारी में मुख्यमंत्री और स्पीकर का पद पीपीपी को मिला, जबकि गवर्नर और डिप्टी स्पीकर का पद पीएमएल-एन के खाते में गया। गठबंधन की इसी नई सरकार ने अब यह प्रस्ताव पारित किया है।

2019 से रची जा रही थी यह खतरनाक साजिश

फिलहाल पाकिस्तान के संविधान में केवल पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा ही चार आधिकारिक प्रांत हैं और गिलगित-बाल्टिस्तान अब तक एक सीमित स्वायत्त व्यवस्था के तहत चलता रहा है। दरअसल, भारत द्वारा अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 को हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने पहली बार इस क्षेत्र को पांचवां प्रांत बनाने की योजना दुनिया के सामने रखी थी। उस वक्त की इमरान खान सरकार इसे लागू नहीं कर पाई थी, लेकिन अब शहबाज शरीफ की सरकार इस एजेंडे को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ा रही है।

भारत का रुख एकदम स्पष्ट, पाकिस्तान को दो टूक

पाकिस्तान की इस अवैध हरकत पर भारत का रुख हमेशा से बेहद स्पष्ट रहा है। भारत का साफ तौर पर कहना है कि पूरा जम्मू-कश्मीर, जिसमें गिलगित-बाल्टिस्तान का इलाका भी पूरी तरह शामिल है, वह भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। भारत सरकार पाकिस्तान के ऐसे किसी भी एकतरफा और अवैध कदम को न तो मान्यता देती है और न ही उसकी कोई कानूनी वैधता स्वीकार करती है। भारत पहले भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की इन नापाक हरकतों का कड़ा विरोध दर्ज करा चुका है।

यूरी आर. फेडकिव मुंबई में नए अमेरिकी कॉन्सल जनरल बने

मुंबई (ए.)। यूरी आर. फेडकिव भारत के मुंबई में नए अमेरिकी कॉन्सल जनरल (सीजी) नियुक्त हुए हैं। उन्होंने 7 जुलाई, 2026 को अपना पद संभाला।

मुंबई आने से पहले सीजी फेडकिव ने बर्न, स्विट्जरलैंड में पॉलिटिकल-इकोनॉमिक मामलों के काउंसलर और लंबे समय तक एक्टिंग डिप्टी चीफ ऑफ मिशन के तौर पर काम किया। इस भूमिका में उन्होंने स्विस कॉन्फेडरेशन और लिकटेंस्टीन की रियासत के साथ संबंधों को संभाला।सीजी फेडकिव की पिछली डिप्लोमैटिक पोस्टिंग में यूक्रेन, पोलैंड, इराक, स्लोवेनिया और जापान में अमेरिकी दूतावास शामिल हैं। वहां उन्होंने राजनीतिक, आर्थिक, कमर्शियल, पॉलिटिकल-मिलिट्री, सहायता, कानून प्रवर्तन, नॉन-प्रोलिफरेशन (हथियारों के प्रसार को रोकने) और विज्ञान व तकनीक से जुड़े मुद्दों पर काम किया। 2021 में सीजी फेडकिव ने कतर में अफगानिस्तान मामलों की यूनिट बनाने में मदद की, जहां उन्होंने मानवाधिकारों, मानवीय मुद्दों और सुरक्षा प्राथमिकताओं पर तालिबान के साथ बातचीत की।

बांग्लादेश में छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस का लाठीचार्ज, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की हुई आलोचना

पेरिस(ए.)। बांग्लादेश में बीते कुछ दिनों में एचएससी छात्रों का भारी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। संसद के बाहर हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज और बल का प्रयोग किया। एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने बांग्लादेश के अधिकारियों की कड़ी आलोचना की है। इस प्रदर्शन में देश के शिक्षा मंत्री एएनएम एहसानुल हक मिलन के इस्तीफे की मांग की गई थी।विरोध प्रदर्शन 14 जुलाई की सुबह शुरू हुए, जिसमें हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट (एचएससी) के उम्मीदवारों ने मुख्य सड़कों को ब्लॉक कर दिया, जुलूस निकाले और ढाका में मानव श्रृंखला बनाई। बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, जब प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने पार्लियामेंट बिल्डिंग की ओर मार्च करने की कोशिश की, तो स्थिति और बिगड़ गई। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया।रिपोर्ट के अनुसार, स्टूडेंट्स एचएससी परीक्षा के समय, खराब मौसम के बीच परीक्षा कराने के फैसले, प्रश्न पत्र की खराब क्वालिटी और मंत्री द्वारा छात्रों को 'फार्म चिकन' कहने वाली टिप्पणी से छात्रों में नाराजगी है। इसी नाराजगी का हवाला देते हुए छात्रों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

इस घटना पर गहरी चिंता जताते हुए जस्टिस मेकर्स बांग्लादेश इन फ्रांस (जेएमबीएफ) ने कहा कि शांति से इकट्ठा होने के खिलाफ बल का इस्तेमाल बांग्लादेश के संविधान के तहत मिली बोलने की आजादी, शांति से इकट्ठा होने और निजी आजादी के अधिकारों के खिलाफ है।

मानवाधिकार संगठन ने कहा कि यह घटना विशेष रूप से नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय वाचा (आईसीसीपीआर), बाल अधिकार सम्मेलन (सीआरसी), यातना के विरुद्ध सम्मेलन (सीएटी) और मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) में संरक्षित अधिकारों के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों के तहत गंभीर चिंताएं भी पैदा करती है।संगठन ने कहा कि प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या एचएससी के परीक्षार्थियों की थी और उनमें कई नाबालिग भी हो सकते थे। ऐसे में राज्य का दायित्व था कि वह अत्यधिक संयम बरतता और बच्चों तथा किशोरों को विशेष सुरक्षा प्रदान करता।

बांग्लादेश में पत्रकारों पर हुई गोलीबारी, भ्रष्टाचार-रोधी संस्था ने निष्पक्ष जांच की मांग की

ढाका (ए.)। बांग्लादेश में इन दिनों हालात काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। एक तरफ देश में राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों का प्रदर्शन जारी है, तो दूसरी ओर पत्रकारों को निशाना बनाकर गोलीबारी की घटना सामने आई है। भ्रष्टाचार-रोधी संस्था ने खुलना शहर में पत्रकारों को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे देश में स्वतंत्र पत्रकारिता और प्रेस की आजादी पर हमला बताया है। खुलना में चार पत्रकारों पर 15 जुलाई की सुबह बंदूकधारियों ने गोलीबारी की। घटना के दौरान सभी पत्रकार अपना काम खत्म करने के बाद एक चाय की दुकान के बाहर बैठे थे। गोलीबारी में घायल हुए पत्रकारों में बांग्लादेशी अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के खुलना संवाददाता अवल शेख भी शामिल थे। अवल शेख को हमले में गोली के छर्रे लगे थे।ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआईबी) ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि पत्रकारों का केस फाइल करने में आनाकानी करना डर के माहौल और अधिकारियों पर बढ़ते भरोसे की कमी को दिखाता है। टीआईबी ने जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उन्हें जिम्मेदार ठहराने के लिए तुरंत, बिना किसी भेदभाव के और पूरी जांच की मांग की।बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून ने टीआईबी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर इफ्तेखारुज्जमां के हवाले से कहा, यह अभी साफ नहीं है कि हमला खास तौर पर किसी पत्रकार को टारगेट करके किया गया था या किसी खास न्यूज रिपोर्ट का बदला लेने के लिए किया गया था।

पाकिस्तानः सिंध के शिक्षा विभाग के दफ्तरों में बिजली कटौती से कामकाज ठप, ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में लगातार बिजली कटौती के कारण पिछले करीब तीन सप्ताह से शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों का कामकाज, ऑनलाइन सिस्टम और जनसेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हो रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी बिजली बिलों का भुगतान किया जा चुका है और के-इलेक्ट्रिक से कई बार शिकायत भी की गई है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।पाकिस्तान के दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, बिजली कटौती से डायरेक्टोरेट जनरल कॉलेजेज सिंध, रीजनल डायरेक्टोरेट गवर्नमेंट कॉलेजेज सिंध, डायरेक्टोरेट जनरल प्राइवेट इंस्टीट्यूशंस सिंध और रीजनल डायरेक्टोरेट प्राइवेट स्कूल्स कराची के कार्यालय प्रभावित हैं। कार्यालय समय के दौरान घंटों की लोडशेडिंग के कारण नियमित प्रशासनिक कार्य बाधित हो रहे हैं।

फीचर

बालों की तेल मालिश करते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

बालों की तेल मालिश करना एक पारंपरिक और असरदार तरीका है, जिससे बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहते हैं। हालांकि, कुछ सामान्य गलतियों की वजह से आपको मनचाहे परिणाम नहीं मिल पाते। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको बालों की तेल मालिश करते समय करने से बचना चाहिए ताकि आपके बालों को सही पोषण मिल सके और वे स्वस्थ रहें।

ज्यादा तेल लगाना

बालों पर ज्यादा तेल लगाना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में कर बैठते हैं।बहुत ज्यादा तेल लगाने से बाल भारी हो जाते हैं और धोने में भी मुश्किल होती है।सही मात्रा में तेल लगाने के लिए हाथों पर थोड़ा सा तेल लें और हल्के हाथों से पूरे सिर पर फैलाएं। इससे बालों को जरूरी पोषण मिलेगा बिना उन्हें भारी किए।

गलत समय पर तेल लगाना

कुछ लोग रातभर बालों पर तेल लगाकर सो जाते हैं, जो कि सही नहीं है। रातभर तेल लगाने से सिरदर्द हो सकता है और तकिए पर तेल लग सकता है, जिससे साफ-सफाई में परेशानी होती है।बेहतर होगा कि आप सुबह या दोपहर के समय बालों पर तेल लगाएं ताकि उसे धोने का समय मिल सके और आपके बाल साफ-सुथरे रहें।

गीले बालों पर तेल लगाना

गीले बालों पर तुरंत तेल लगाना भी एक बड़ी गलती हो सकती है। गीले बालों की जड़ों में पानी होता है, जो कि तेल के पोषक तत्वों को सही तरीके से सोखने नहीं देता।इससे बाल कमजोर हो सकते हैं और टूटने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए हमेशा सूखे बालों पर ही तेल लगाएं ताकि वे सही तरीके से पोषण प्राप्त कर सकें और मजबूत बने रहें।

बहुत जल्दी धोना

कुछ लोग बालों पर तेल लगाने के तुरंत बाद उन्हें धो लेते हैं, जिससे बालों को पूरा लाभ नहीं मिल पाता। तेल को बालों में ठीक से सोखने का समय देना जरूरी होता है ताकि वह पूरी तरह से अपना असर दिखा सके।

इसलिए तेल लगाने के बाद कम से कम 30 मिनट से 1 घंटे तक इंतजार करें, फिर अपने सिर को माइल्ड शैंपू से धोएं और ठंडे पानी से साफ करें।

गलत प्रकार के तेल का चयन

बालों की प्रकार और जरूरतों के अनुसार सही प्रकार का तेल चुनना बहुत अहम होता है। जैसे कि सूखे बालों के लिए नारियल या बादाम का तेल अच्छा होता है, जबकि तैलीय बालों वाले जैतून या आर्गन ऑयल इस्तेमाल कर सकते हैं।इस तरह इन छोटी-छोटी गलतियों से बचकर आप अपने बालों की तेल मालिश का पूरा लाभ उठा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

13 साल का सपना हुआ सच, जब माधुरी दीक्षित से मिलीं वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी बचपन से जिस अभिनेत्री को वह अपना आइकॉन मानती थीं, आखिरकार उनसे मिलने का उनका सपना सच हो गया। दरअसल, वामिका ने बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा माधुरी दीक्षित से मुलाकात की, जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ वामिका गब्बी ने बताया कि वह 13 साल की उम्र से माधुरी दीक्षित की बहुत बड़ी फैन रही हैं और उनसे मिलने का सपना लंबे समय से संजोए हुए थीं। सालों बाद जब यह सपना पूरा हुआ तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

वीडियो की शुरुआत में वामिका, माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने धक-धक के आइकॉनिक स्टेप को करती नजर आती हैं तभी माधुरी दीक्षित पीछे से आती हैं और प्यार से उन्हें गले लगा लेती हैं। अचानक अपने सामने बचपन की आइकॉन को देखकर वामिका इमोशनल हो जाती हैं और तुरंत उन्हें कसकर गले लगा लेती हैं।

वीडियो में वामिका ब्लू कलर के एथनिक आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जबकि माधुरी दीक्षित गुलाबी साड़ी में हमेशा की तरह बेहद आकर्षक दिखीं। वीडियो में माधुरी, वामिका से उनका हालचाल पूछती भी दिखती हैं।वीडियो शेयर करते हुए वामिका ने लिखा, मेरे सबसे करीबी दोस्त जानते हैं कि 13 साल की उम्र वाली वामिका के लिए यह पल कितना जादुई था। आखिरकार मेरी मुलाकात द माधुरी दीक्षित से हुई। मैंने उन्हें मम्मी-पापा से भी मिलवाया और बचपन के कई किस्से सुनाए, ताकि उन्हें पता चल सके कि वे मेरे बचपन का कितना खूबसूरत हिस्सा रही हैं।

अगर वामिका गब्बी के करियर की बात करें तो उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007 में इम्तियाज अली की सुपरहिट फिल्म जब वी मेट से उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर की शुरुआत की। फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन यहीं से उनके अभिनय करियर की नींव रखी गई। इसके बाद वह लव आज कल, मौसम और बिट्टू बॉस जैसी फिल्मों में नजर आईं और धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बनाती चली गईं।बॉलीवुड के अलावा वामिका ने पंजाबी और मलयालम सिनेमा में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। पंजाबी फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 और मलयालम फिल्म गोधा में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली। हाल ही में वह फिल्म पति पत्नी और वो दो में नजर आई थीं।

पूल नूडल्स से की जा सकती है कसरत, मिल सकते हैं कई फायदे

पूल नूडल्स एक प्रकार का एक्सरसाइज उपकरण है, जिसका इस्तेमाल पानी में किया जाता है। यह उपकरण न केवल मजेदार है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके शरीर को मजबूत और फिट बना सकती हैं। आइए जानते हैं कि पूल नूडल्स का उपयोग करके कौन-कौन सी एक्सरसाइज की जा सकती हैं और इनके क्या-क्या फायदे हैं।

दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाने में सहायक

पूल नूडल्स का उपयोग करके आप दिल और सांस की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाती हैं।पानी में की जाने वाली यह एक्सरसाइज शरीर के पूरे हिस्से पर असर डालती है और आपको तेजी से फिट बनाती है।इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके शरीर की सहनशक्ति को भी बढ़ाती है, जिससे आप लंबे समय तक बिना थके एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आपका शरीर तंदुरुस्त और सक्रिय रहता है।

मांसपेशियों को मजबूती प्रदान कर सकती है

पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की ताकत बढ़ाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं।इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर खींचने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी बाजू, पीठ और कंधे मजबूत होते हैं। इसके अलावा आप नूडल्स को ऊपर-नीचे करके भी अपनी मांसपेशियों को टोन कर सकते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की ताकत भी बढ़ती है।

शरीर को लचीला बनाने में मददगार

पूल नूडल्स की मदद से आप अपने शरीर को लचीला बना सकते हैं। इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी पीठ, पैर और कंधे की लचीलापन बढ़ती है।इसके अलावा आप नूडल्स को दोनों हाथों से पकड़कर घुमाने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपकी हाथों की लचीलापन बढ़ती है। इससे आपकी शरीर की सभी प्रमुख मांसपेशियां

मजबूत होती हैं और लचीला रहता है।

तनाव को कम करने में है कारगर

पूल नूडल्स की मदद से आप तनाव मुक्त हो सकते हैं। इसके लिए आप पानी में तैरते हुए नूडल्स पर बैठकर पीछे की ओर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपका मन शांत होता है।इसके अलावा आप नूडल्स को पकड़कर धीरे-धीरे ऊपर-नीचे करने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं,

जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपके मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं।

वजन कम करने में है मददगार

पूल नूडल्स की मदद से आप वजन घटा सकते हैं। इसके लिए आप तेज गति से तैरते हुए नूडल्स पर बैठकर आगे-पीछे झुलाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है।

इसके अलावा आप नूडल्स को पकड़कर खींचने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इन सभी तरीकों से आप अपने शरीर को फिट रख सकते हैं।

ओटीटी पर रिलीज हुई रक्तांचल 3, पूर्वांचल में फिर शुरू हुआ सत्ता और खूनी खेल

गैंगवार, राजनीति और अपराध की दुनिया पर आधारित वेब सीरीज के शौकीनों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. क्राइम-थ्रिलर सीरीज रक्तांचल का तीसरा सीजन आखिरकार अमेजन एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हो गया है. इस नए सीजन में एक बार फिर दर्शकों को पूर्वांचल के ठेकों पर कब्जे की खूनी जंग और सत्ता की बिसात पर खेले जाने वाले घातक खेल देखने को मिलेंगे.

सीरीज रक्तांचल सीजन 3 16 जुलाई से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रही है. इसके डायरेक्टर रितम श्रीवास्तव हैं. दर्शक बिना किसी सब्सक्रिप्शन के मुफ्त में इस सीरीज को एंजॉय कर सकते हैं. इसकी कहानी सिद्धार्थ मिश्रा ने लिखी है. ये सीरीज पूर्वांचल के माफिया की असल कहानी पर बनी है. इसमें क्रांति प्रकाश झा, निकितिन धीर और करण पटेल जैसे एक्टर्स नजर आ रहे हैं

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल की पृष्ठभूमि पर आधारित रक्तांचल ने अपनी दमदार कहानी और बेहतरीन एक्शन से दर्शकों के बीच एक खास पहचान बनाई है. शुरुआती सीजन में जहां विजय सिंह और वसीम खान के बीच सरकारी ठेकों और वर्चस्व की खूनी लड़ाई देखने को मिली थी, वहीं अब ये कहानी राजनीति के एक बड़े और अधिक खतरनाक खेल में बदल चुकी है.

इस नए सीजन में दांव और भी ऊंचे हो चुके हैं. लोकल पॉलिटिक्स, कोयला माफिया और निजी दुश्मनी के आपस में टकराने से कहानी में कई बड़े ट्विस्ट देखने को मिलेंगे. सत्ता हासिल करने और अपने विरोधियों को नेस्तनाबूद करने के लिए किरदार किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं. अगर आप क्राइम ड्रामा, दमदार डायलॉग्स और थ्रिलर से भरपूर वेब सीरीज देखना पसंद करते हैं, तो रक्तांचल सीजन 3 इस वीकेंड आपकी बिंज-वॉच लिस्ट में जरूर शामिल होनी चाहिए.

केसीसी लोन दिलाने का झांसा देकर किसान से 16.40 लाख की ठगी, फर्जी बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

खैरागढ़, (आरएनएस)। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) लोन स्वीकृत कराने का झांसा देकर एक किसान से 16.40 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में केसीजी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को बैंक कर्मचारी बताकर किसान का विश्वास जीतता था और लोन स्वीकृत कराने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, ग्राम गर्रा निवासी दिनाराम जंघेल (55 वर्ष) ने थाना छुईखदान में शिकायत दर्ज कराई थी कि अर्पित देवांगन (28 वर्ष), निवासी दुर्गा चौक, राजनांदगांव ने स्वयं को बैंक कर्मचारी बताते हुए किसान क्रेडिट कार्ड लोन दिलाने और बैंक में राशि जमा कराने का भरोसा दिलाया। आरोपी ने इसी बहाने प्रार्थी से अलग-अलग किस्तों में 16 लाख 40 हजार रुपये ले लिए, लेकिन न तो लोन स्वीकृत कराया और न ही रकम वापस की। शिकायत के आधार पर थाना छुईखदान में 14 जुलाई 2026 को अपराध क्रमांक 261/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 319(2) के तहत मामला कायम किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना छुईखदान पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की।

16 करोड़ के गांजा तस्करी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, 4 और तस्कर गिरफ्तार, अब तक 9 आरोपी पुलिस गिरफ्त में

बलरामपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में करीब 16 करोड़ रुपये के अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बलरामपुर पुलिस और ओडिशा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में गांजा तस्कर गिरोह के चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है।

पुलिस जांच में अब तक 3,139 किलोग्राम से अधिक गांजा की तस्करी का खुलासा हुआ है। जांच के दौरान सामने आया कि तस्कर गांजा को नारियल की भूसी में छिपाकर राजस्थान भेजते थे, ताकि पुलिस और जांच एजेंसियों की नजर से बच सकें। यह कार्रवाई बसंतपुर थाना में दर्ज दो बड़े एनडीपीएस मामलों की जांच के दौरान की गई। बलरामपुर पुलिस और ओडिशा एसटीएफ की संयुक्त एंड-टू-एंड जांच से अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क की कई परतें खुली हैं। पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

नक्सलियों का हथियार डंप बरामद, पुलिस-बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई में रायफल और कारतूस जब्त

नारायणपुर (आरएनएस)। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे संयुक्त सर्चिंग अभियान के दौरान नारायणपुर पुलिस और 58वीं वाहिनी बीएसएफको बड़ी सफलता मिली है। थाना कोहकामेटा क्षेत्र के कच्चापाल जंगल में नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया हथियारों का डंप बरामद किया गया। बरामद हथियारों और गोला-बारूद को जब्त कर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, जिले के नक्सलमुक्त क्षेत्रों में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाए गए हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री की तलाश के लिए लगातार संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सुरक्षा बलों ने कच्चापाल के जंगल में छिपाकर रखा गया हथियारों का जखीरा बरामद किया। बरामद सामग्री में एक.303 रायफल, एक 315 रायफल, एक स्थानीय निर्मित बैरल लांचर, 303 बोर के 17 जीवित कारतूस, 7.62 मिमी के 10 जीवित कारतूस, 12 बोर के 4 कारतूस, 303 रायफल की एक खाली मैगजीन, दो कारतूस फिलर तथा तीन 303 ट्रेसर रॉड शामिल हैं।

छग विधानसभा : सदन में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा, नेता प्रतिपक्ष ने 136 बिंदुओं का आरोप पत्र किया पेश

रायपुर,(ए.)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को साय सरकार के खिलाफ कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने 136 बिंदुओं का आरोप पत्र पेश करते हुए कहा कि यह सिर्फ मेरा आरोप नहीं, यह आम जनता का आरोप है। साय सरकार को अब तक 136 हफ्ते हो गए हैं। यह अविश्वास प्रस्ताव किसान, महिलाओं, युवाओं के खिलाफ रचे गए हर हफ्ते के षड्यंत्र का दस्तावेज है। हर हफ्ते का एक पाप, हर हफ्ते का एक धोखा, हर हफ्ते की नाकामी का पूरा दस्तावेज पेश कर रहे हैं नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरण दास महंत ने कहा कि 1963 में जब आचार्य जेपी कृपलानी ने नेहरू सरकार के विरुद्ध लोकसभा में पेश किया था, तब खुद नेहरू ने उसका स्वागत करते हुए कहा था कि सरकार के ख़िलाफ़ लोकतंत्र में ऐसी बहस होती रहे यह अच्छी परम्परा है। 1979 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई को यह आभाष हुआ कि सदन में उनकी स्थिति ठीक नहीं है, तो उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव के पहले ही त्यागपत्र देना स्वीकार कर लिया।संत पवन दीवान ने लिखा है कि चुप-चुप रहकर सब कुछ सहकर सबका मान बढ़ाते हैं, बार-बार अपमानित होकर ग़ैरों का गुणगान करते हैं, मेहमानों को खूब खिलाकर चुपचाप सो जाते हैं, इसलिए ही छत्तीसगढ़िया परबुद्धि कहलाते हैं। छत्तीसगढ़ में सब कुछ है लेकिन कमी है स्वाभिमान की। मुझसे सही नहीं जाती ऐसी चुप्पी वर्तमान की। मंत्री ओपी चौधरी और भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ के लोगों को परबुद्धि कहने पर आपत्ति जताई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, यह मेरा लिखा नहीं है। यह संत पवन दीवान की लिखी कविता है। मंत्री ओपी चौधरी के नाम का जिक्र करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आप कब पैदा हुए मुझे नहीं पता, लेकिन 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' मेरे पिता का दिया नारा था।

तरदा गांव में बंद मकान से मिला मेडिकल वेस्ट, दुर्गंध फैलने पर खुला मामला

कोरबा (आरएनएस)। जिले के उरगा थाना क्षेत्र के तरदा गांव में एक बंद मकान से तेज दुर्गंध आने के बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। जब ग्रामीणों ने मकान खुलवाकर अंदर देखा तो वहां भारी मात्रा में मेडिकल वेस्ट पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों के अनुसार, संबंधित मकान कुछ दिन पहले किराए पर लिया गया था। पिछले कई दिनों से वहां से बदबू आ रही थी, लेकिन गुरुवार को दुर्गंध इतनी अधिक हो गई कि आसपास रहना मुश्किल हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने घर खुलवाया, जहां बड़ी संख्या में इंजेक्शन, सिरिंज, दवाओं की खाली शीशियां और अन्य जैव-चिकित्सा कचरा थैलियों में भरा मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जिले के सरकारी और निजी अस्पतालों से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट के उठाव का ठेका एनवायरो केयर कंपनी को मिला है।

जय जगन्नाथ के जयघोषों से गूंजा दादर, भव्य रथयात्रा में शामिल होने उमड़ा आस्था का सैलाब

कोरबा (आरएनएस)। शहर के साथ उप नगरीय क्षेत्रों में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। दादरखुर्द में 126 साल से चल रही परंपरा के साथ पूजा-अर्चना के बाद रथ यात्रा शुरू हुई। श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर रथयात्रा शुरुआत की। रथ में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान थे। दादरखुर्द में जय जगन्नाथ की गूंज के बीच पूरे गांव का भ्रमण कराया।

ओडिशा के जगन्नाथ पुरी की तरह ही दादरखुर्द में उत्सव मनाया जाता है। रथ यात्रा प्रारंभ करने से पहले भगवान की प्रतिमाओं को मंदिर से रथ तक लाया गया। रथ यात्रा में शहर के साथ आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचे थे। इसी तरह बालको नगर राम मंदिर, खरमोरा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भी रथ यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ भगवान जगन्नाथ की पूजा कर आरती उतारी। बालको नगर में राम मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। पूजा की शुरुआत पारंपरिक धान के पात्र से की गई। मंदिर से भगवान जगन्नाथ के साथ ही भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की मूर्तियों को रथ तक ले गए। मूर्तियों को ले जाने वाले रास्ते पर झाड़ू लगाने की परंपरा निभाई गई। रथ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। रथ यात्रा का नगर भ्रमण कराया गया।

आवारा कुत्तों का आतंकः 5 साल के मासूम पर झुंड ने किया जानलेवा हमला, इलाज से पहले हुई मौत

भड़का जनाक्रोश, निगम पर लापरवाही का आरोप

कोरबा (आरएनएस)। जिले के मानिकपुर चैकी क्षेत्र के दादर में गुरुवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। आवारा कुत्तों के झुंड ने 5 वर्षीय मासूम प्रकाश पटेल पर हमला कर उसे इतनी बेरहमी से नोच डाला कि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

मृतक प्रकाश पटेल पिता किशोर पटेल कक्षा पहली का छात्र था। परिवार मूल रूप से जांजगीर-चांपा जिले का रहने वाला है और रोजी-मजदूरी के लिए दादर में रह रहा है। मृतक के पिता किशोर पटेल ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 4 बजे वह दादर में एक मकान निर्माण स्थल पर मजदूरी कर रहे थे। उनका बेटा प्रकाश उनसे मिलने आया था। कुछ देर बाद जब वह वापस घर लौट रहा था, तभी रास्ते में 5 से 6 आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक उस पर हमला कर दिया।

मासूम की चीख-पुकार सुनकर पिता दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक कुत्ते उसे दौड़ा-दौड़ाकर नोच चुके थे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर गरियाबंद पुलिस की अनूठी पहल, स्कूली बच्चों के लिए निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

साइबर व यातायात जागरूकता पर निबंध, जल संरक्षण और जंगल बचाओ विषय पर चित्रकला के जरिए विद्यार्थियों ने दिए संदेश

गरियाबंद,(आरएनएस)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गरियाबंद पुलिस ने जिले के विभिन्न स्कूलों में स्कूली बच्चों के लिए निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना तथा उनमें राष्ट्रीय एकता, अखंडता, देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था।

पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत थाना गरियाबंद क्षेत्र के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, थाना राजिम क्षेत्र के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुरसाबांधा, तथा थाना फिंगेश्वर क्षेत्र के रानी श्याम कुमारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फिंगेश्वर एवं प्राथमिक शाला लालपुर में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में बच्चों ने साइबर सुरक्षा और यातायात जागरूकता जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जबकि चित्रकला प्रतियोगिता में जल संरक्षण और जंगल बचाओ जैसे विषयों को आकर्षक चित्रों के ध्यम से उकेरकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और सामाजिक जागरूकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को गरियाबंद पुलिस द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

गरियाबंद पुलिस ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि बच्चों में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक कर्तव्यों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हो सके।

खेल समाचार

हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय महिला टीम तैयार, सलीमा टेटे करेंगी नेतृत्व

नई दिल्ली (आरएनएस)। हॉकी इंडिया ने एफआईएच महिला विश्व कप 2026 के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान सलीमा टेटे के हाथों में सौंपी गई है।

भारतीय महिला हॉकी टीम के हेड कोच स्योर्ड मारिजने ने चुनी गई टीम को बेहद संतुलित बताया है। विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त के बीच होना है। टूर्नामेंट की मेजबानी नीदरलैंड और बेल्जियम मिलकर करेंगे। बेंगलुरु में नेशनल कैंप में ट्रेनिंग कर रही इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और होनहार युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। इन युवा खिलाड़ियों ने हाल के इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में सभी को प्रभावित किया है, खासकर पिछले महीने न्यूजीलैंड में हुए एफआईएच नेशंस कप में टीम का प्रदर्शन दमदार रहा था और भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब पर कब्जा जमाया था। टीम में सविता और बिचू देवी खारीबम को गोलकीपर के तौर पर शामिल किया गया है, जबकि डिफेंस यूनिट में इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुंगी, ज्योति और शिल्पी डबास शामिल हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग को रखा गया है। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में लालरेम्सियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को जगह दी गई है।विश्व कप के लिए चुनी गई टीम को लेकर बातचीत करते हुए कोच मारिजाने ने कहा, हमने खिलाड़ियों का एक संतुलित ग्रुप चुना है जो इस गर्मी में आने वाली बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार है। टीम ने टूर्नामेंट से पहले कड़ी मेहनत की है और हमें इस ग्रुप की काबिलियत पर भरोसा है। हम दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने और सबसे बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। भारतीय टीम को चीन, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के साथ पूल डी में रखा गया है। टीम अपने सभी पूल-स्टेज मैच नीदरलैंड के एमस्टेलवीन में वागेनर हॉकी स्टेडियम में खेलेगी।

भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगी, इसके बाद 18 अगस्त को साउथ अफ्रीका और 20 अगस्त को इंग्लैंड के खिलाफ मैच खेलेगी। एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम।

गोलकीपरः सविता, बिचू देवी खारीबम

डिफेंडरः इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुंगी, ज्योति, शिल्पी डबासमिडफील्डरः निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंगफॉरवर्डः लालरेम्सियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें तेज, बल्लेबाजी कोच ने कहा- 'हिटमैन पर कोई दबाव नहीं'

लंदन (आरएनएस)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। कार्डिफ में खेले गए मैच में उन्होंने 47 गेंदों पर 26 रन बनाए। उनके जल्दी आउट होने के बाद एक बार फिर उनके भविष्य और संभावित संन्यास को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) या स्वयं रोहित शर्मा की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने रोहित शर्मा के फॉर्म और उन पर बढ़ते दबाव को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दिया।

कोटक ने कहा, रोहित शर्मा जैसे अनुभवी और बड़े खिलाड़ी पर किसी तरह का दबाव नहीं हो सकता। ऐसे खिलाड़ी इस तरह की चर्चाओं से प्रभावित नहीं होते। शुरुआती दो मैचों में उनके बल्ले से रन नहीं निकले, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह संघर्ष कर रहे हैं। क्रिकेट में कई बार बल्लेबाज अपनी लय हासिल करने में थोड़ा समय लेते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कार्डिफ की पिच पर दोहरा उछाल था, जिससे बल्लेबाजी करना आसान नहीं था और इसका असर कई बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर भी देखने को मिला।

इस बीच, पीटीआई की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को देखते हुए चयन समिति ने रोहित शर्मा को भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी है। हालांकि, इस संबंध में भी BCCI की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ऐसे में अब सभी की नजरें 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे पर होंगी। यह मुकाबला भारत के लिए सीरीज जीतने के साथ-साथ रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं के कारण भी खास माना जा रहा है।

बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीजः भारत के खाते में दो पदक, हंसिका को सिल्वर और रजत को ब्रॉन्ज

बुडापेस्ट (ए.)। भारत की हंसिका लांबा ने बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में महिलाओं के 55 किलोग्राम फ्रीस्टाइल इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। हालांकि, वह गोल्ड मेडल जीतने से चूक गईं और उन्हें फाइनल में यूक्रेन की नतालिया क्लीवचुत्स्का के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।19 वर्षीय हंसिका को क्लीवचुत्स्का के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। हंसिका लांबा ने क्वार्टर फाइनल में तुर्की की तुबा डेमिर को 8-4 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में जर्मनी की अनास्तासिया ब्लेवास के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 10-7 से जीत दर्ज की थी। 2-7 से पिछड़ने के बाद, लांबा ने चार बार टेकडाउन करके जीत हासिल की और फाइनल का टिकट हासिल किया। वह इस साल शानदार फॉर्म में रही हैं और अपने दो अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट—एशियन चैंपियनशिप और उलानबटार ओपन में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।महिलाओं के 50 किलोग्राम वर्ग में प्रियांशी प्रजापत को रेपचेज के जरिए मौका मिलने के बाद ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में इक्वाडोर की जैकलीन मोलोकाना से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।प्रियांशी ने 50 किलोग्राम भार वर्ग में अपने अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की थी। उन्होंने पैन-अमेरिकन चैंपियन अमेरिका की केटी गोमेज को 'फॉल' के जरिए हराया था। मुकाबले में गोमेज ने शुरुआत में बढ़त बना ली थी, लेकिन प्रियांशी ने बेहतरीन वापसी करते हुए उनके पैरों पर हमला किया और उन्हें पिन करके मुकाबला अपने नाम कर लिया। हालांकि, क्वार्टर फाइनल में प्रियांशी को चीन की फेंग जिकि के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। फेंग जिकि ने यह मुकाबला तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीता। चीन की फेंग जिकि पेरिस ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडल विजेता भी रह चुकी हैं। जिकि के फाइनल में पहुंचने के बाद, प्रियांशी को रेपचेज के जरिए मेडल जीतने का मौका मिला, लेकिन वह जीत हासिल करके पोडियम तक नहीं पहुंच सकीं।पुरुषों के 125 किलोग्राम भार वर्ग में भारत के पहलवान रजत रुहल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। उन्हें यह पदक तब मिला, जब अमेरिका के उनके प्रतिद्वंद्वी मेसन पैरिस ने चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया और रजत को वॉकओवर मिल गया। रजत का सफर आसान नहीं रहा। वह क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पोलैंड के कामिल कोसिओलेक से हार गए थे। इसके बाद उन्होंने रेपेशाज राउंड में शानदार वापसी की। इस मुकाबले में रजत ने साउथ कोरिया के ग्वानुक किम को 8-4 के स्कोर से हराकर ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में जगह बनाई।इसी डिवीजन में हिस्सा ले रहे दूसरे भारतीय, दिनेश धनखड़, क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। पुनीत कुमार (92 किग्रा) और ओलंपियन दीपक पूनिया (97 किग्रा) अपने-अपने डिवीन में शुरुआती मुकाबले हारने के बाद बाहर हुए। इससे पहले, पेरिस ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत ने पुरुषों के 57 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीता, जबकि दीपक (पुरुषों के 61 किग्रा) और विशाल कालीरमाना (पुरुषों के 65 किग्रा) ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में भारत के पदकों की संख्या अब पांच हो गई है।

फीफा विश्व कपः तीसरे स्थान के लिए फ्रांस और इंग्लैंड की प्रतिष्ठा की जंग, कांस्य पदक पर होगी नजर

मियामी (ए.)। फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान के लिए होने वाला प्ले-ऑफ मुकाबला रविवार, 19 जुलाई को भारतीय समयानुसार तड़के 2:30 बजे खेला जाएगा। इस मुकाबले में दो यूरोपीय फुटबॉल महाशक्तियां फ्रांस और इंग्लैंड आमने-सामने होंगी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में हार के बाद अब जीत के साथ अपने अभियान का समापन करने और कांस्य पदक हासिल करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। मुकाबला अमेरिका के मियामी स्थित मियामी स्टेडियम (हार्ड रॉक स्टेडियम) में खेला जाएगा।

फ्रांस को सेमीफाइनल में स्पेन के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके साथ ही लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने का उसका सपना टूट गया। दूसरी ओर इंग्लैंड को गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 की रोमांचक हार झेलनी पड़ी, जिसमें अंतिम क्षणों में मैच का पासा पलट गया। अब दोनों टीमें तीसरे स्थान के मुकाबले में अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश करेंगी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, उस्मान डेम्बेले और माइकल ओलीसे जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि इंग्लैंड की उम्मीदें हैरी केन, एंथनी गॉर्डन और जूड बेलिंगहैम जैसे खिलाड़ियों पर टिकी रहेंगी। दोनों टीमों के बीच मुकाबला तेज गति, आक्रामक फुटबॉल और रणनीतिक खेल के लिए जाना जाता है, इसलिए प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने की उम्मीद है।

हालांकि तीसरे स्थान का मुकाबला विश्व कप ट्रॉफी जितना महत्वपूर्ण नहीं माना जाता, फिर भी यह दोनों टीमों के लिए सम्मान बचाने और सकारात्मक परिणाम के साथ टूर्नामेंट समाप्त करने का अवसर होगा। यह मुकाबला युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और टीम प्रबंधन को भविष्य की योजनाओं का आकलन करने का भी मौका देगा। कई विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों टीमें अपनी मजबूत प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती हैं ताकि विश्व कप अभियान का समापन जीत के साथ किया जा सके। इस मुकाबले के बाद विश्व कप का फाइनल 20 जुलाई (भारतीय समयानुसार) स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेला जाएगा। ऐसे में तीसरे स्थान का यह प्ले-ऑफ भी फुटबॉल प्रेमियों के लिए किसी बड़े फाइनल से कम नहीं माना जा रहा है, क्योंकि इसमें दो विश्व स्तरीय टीमें सम्मान और कांस्य पदक के लिए पूरा दमखम लगाती नजर आएंगी।फ्रांस और इंग्लैंड दोनों सेमीफाइनल में हार के बाद तीसरे स्थान के लिए उतरेंगे, इसलिए दोनों टीमों में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

उपलब्ध टीम समाचार और हालिया मैचों के आधार पर संभावित प्लेइंग इलेवन इस प्रकार हो सकती है:

फ्रांस (संभावित XI) - 4-2-3-1

गोलकीपरः माइक मेन्यां

डिफेंडरः जूल्स कुंडे, इब्राहिमा कोनाते, मैक्सेंस लाक्रोआ, थियो हर्नांडेज़

मिडफील्डरः मानु कोने, वॉरेन ज़ैरे-एमरी

अटैकिंग मिडफील्डरः रायान शेरकी, माइकल ओलीसे, देजिरे दूए

स्ट्राइकरः किलियन एम्बाप्पे

फ्रांस के नियमित सेंटर-बैक विलियम सालिबा पीठ की चोट के कारण उपलब्ध नहीं हो सकते हैं, जबकि कोच दिदिए देशां कुछ युवा खिलाड़ियों को मौका दे सकते हैं।

विश्व कप हार के बाद बेलिंगहम ने लिखा इमोशनल पोस्ट, प्रशंसकों को दिया धन्यवाद

अटलांटा (आरएनएस)। इंग्लैंड के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी जूड बेलिंगहम ने भावुक पोस्ट लिखा है। इंग्लैंड को सेमीफाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।बेलिंगहम ने अपने भावकु पोस्ट में सभी समर्थकों को उनके अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। सेमीफाइनल मैच में एंथनी गॉर्डन द्वारा किए गए गोल की बदौलत इंग्लैंड मुकाबले में 1-0 से आगे चल रहा था। हालांकि, मैच के अंतिम 7 मिनटों में अर्जेंटीना ने दो गोल दागते हुए इंग्लैंड का फाइनल खेलने का सपना एक बार फिर तोड़ दिया। इस निराशाजनक हार के एक दिन बाद, बेलिंगहम ने सोशल मीडिया पर उन सभी फैंस का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने अमेरिका आकर टीम का समर्थन किया। उन्होंने सभी से भरोसा बनाए रखने की अपील भी की।बेलिंगहम ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, बीते कुछ हफ्तों और कल के दिन को शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। कंसास में हमारे ड्राइवर ने जो बात कही, उसने हमारी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त कर दिया। मैं उन सभी लोगों का दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने घर से हमारा हौसला बढ़ाया और अपनी मेहनत की कमाई खर्च कर अमेरिका आकर हमारा समर्थन किया। हमारे देश के लोगों के बीच जो एकता और प्यार इस अभियान के दौरान देखने को मिला, उसे यहीं खत्म नहीं होने देना चाहिए।

विकास कार्यों के निर्माण एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता व पारदर्शिता सुनिश्चित करें : सांसद दर्शन सिंह चौधरी

जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर हो त्वरित कार्रवाई, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे : राज्यसभा सांसद श्रीमति माया नारोलिया

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभा कक्ष में सांसद दर्शन सिंह चौधरी की अध्यक्षता एवं राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया की सह अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष श्री चौधरी द्वारा पूर्व में आयोजित बैठक के दौरान विधायक गणों एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्राप्त सुझाव एवं समस्याओं पर की गई कार्यवाही के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान विधायक गणों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई जिसमें शिक्षा, खनिज, ग्रामीण विकास, कृषि, जल संसाधन, विद्युत, महिला एवं बाल विकास, पशुपालन, खेल, सहकारिता, स्वास्थ्य, पेयजल, उद्योग, खाद्य, श्रम, मंडी, राजस्व, वन तथा नगरीय प्रशासन से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा कर जनप्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त किए गए। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा)की बैठक के दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ सीता सरन शर्मा, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सहित अन्य जनप्रतिनिधीगण उपस्थित रहे। उक्त बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, डीएफओ गौरव शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, उपसंचालक एसटीआर ऋषभा नेताम, अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला तथा अन्य जिला अधिकारियों ने भी सहभागिता की।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में समिति अध्यक्ष एवं सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने जिले में सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्यों में आने वाली समस्याओं का वन विभाग एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि विकास कार्य समय पर पूर्ण हो सकें। सांसद श्री चौधरी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन विभाग एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों के साथ बैठक कर सड़क निर्माण में आ रही सभी बाधाओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

नशे से दूरी है जरुरी अभियान के तहत स्कूली बच्चों को दी गई नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी, दिलाई गई शपथ'

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत आज स्थानीय स्कूल में महिला थाना प्रभारी राखी मौर्य मय स्टाफ महेश मीनाए ललित नारेए सचिन वर्मा एप्रहलाद इवने द्वारा बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में समझाइश दी गई। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को बताया कि 'बीड़ी सिगरेट का धुआं प्रदूषण करता है और हमारे शरीर के फेफड़े दिल एवं अन्य अंगों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान से कैंसर जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं।

अधिकारियों ने बच्चों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में सभी स्कूली बच्चों से 'नशा मुक्ति शपथ' दिलाई गई। बच्चों ने शपथ ली कि वे स्वयं नशा नहीं करेंगे और न ही किसी अन्य को नशा करने देंगे तथा नशा मुक्त मध्य प्रदेश बनाने में अपना योगदान देंगे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की रीति नीति से कराया गया अवगत

इटारसी। नर्मदापुरम (निप्र)। खेड़ा स्थित होटल एक्सप्रेस 11 में आयोजित कांग्रेस के शिविर में पहले दिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की रीति नीति से कराया गया अवगत एवं जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाने का किया आवाहन'। आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर खेड़ा स्थित होटल एक्सप्रेस 11 में कांग्रेस संगठन के दो दिवसीय शिविर के आज पहले दिन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सचिव एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सह प्रभारी उषा नायडू, मध्य प्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मानक अग्रवाल, जिला कांग्रेस प्रभारी संजय शर्मा, हरदा जिला कांग्रेस प्रभारी अर्चना जैन, नर्मदापुरम जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय, हरदा जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन साई, प्रशिक्षक ललित सेन, सहित नर्मदापुरम जिला एवं हरदा जिला के ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष एंव मंडलम अध्यक्ष विशेष रूप से उपस्थित थे। जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने बताया कि आज के शिविर में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस की रीति नीति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अवगत कराया एवं जनहित के मुद्दों लेकर जनता के बीच जाने का आवाहन किया। साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आशा व्यक्त की कि वे पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कांग्रेस संगठन को आगामी चुनाव में विजय दिलाने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में व्यसन मुक्ति कार्यशाला आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार तथा कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश, भोपाल के पत्र क्रमांक 462004 एवं शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा जारी आदेश दिनांक 10 जुलाई 2026 के परिपालन में महाविद्यालय में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत व्यसन मुक्ति कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता अहिरवार के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व प्राचार्या डॉ. भारती दुबे के स्वागत एवं उद्बोधन से हुआ। गायत्री परिवार की ओर से यू. के. सिंह एवं एस. के. विश्वकर्मा ने व्यसन के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छात्राओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में जनजागरूकता फैलाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं की सकारात्मक सोच और संस्कार ही नशामुक्त भारत के निर्माण की आधारशिला हैं।

स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के स्काउट एवं गाइड विभाग का आदमगढ़ हिल्स में सफल शैक्षणिक भ्रमण

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल नर्मदापुरम में स्काउट एवं गाइड विभाग द्वारा आदमगढ़ हिल्स ;बड़ी पहाड़िया रसूलिया में एक दिवसीय शैक्षणिक एवं साहसिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, साहस, टीम भावना, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक सेवा की भावना का विकास करना था। शैक्षणिक भ्रमण का शुभारंभ प्रात: 8 बजे विद्यालय परिसर से हुआ। इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यालय के 118 छात्र.छात्राओं एवं 8 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। भ्रमण का सफल संचालन एवं नेतृत्व स्काउट एवं गाइड प्रभारी व्योमकेश मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री बी.एल. चौरे; स्टेट ऑर्गेनाइजेशन कमिश्नर नर्मदापुरम की उपस्थिति गरिमामयी रही। मुख्य अतिथि श्री चौरे ने विद्यार्थियों को स्काउट एवं गाइड के आदर्शों एवं कर्तव्यों एवं जीवनोपयोगी मूल्यों से परिचित कराया तथा उन्हें राष्ट्र सेवा एवं समाज सेवा के लिए प्रेरित किया।

आदमगढ़ हिल्स पहुँचने पर सभी विद्यार्थियों ने स्काउट एवं गाइड प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात प्राकृतिक वातावरण में ट्रेकिंग, प्रेरणादायक एवं देशभक्ति गीतों का सामूहिक गायन तथा स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने क्षेत्र की स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को आदमगढ़ की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर का अवलोकन कराया गया। साथ ही स्काउट एवं गाइड के उद्देश्य, सिद्धांत, लाभ एवं जीवन में उनके महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सहयोग, नेतृत्व, अनुशासन एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का प्रभावी विकास किया।विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने इस सफल आयोजन के लिए स्काउट एवं गाइड विभाग के प्रभारी व्योमकेश मौर्य, स्काउट प्रशिक्षक गणेश भैसारे एवं समस्त सहयोगी शिक्षकों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को उनके अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता के लिए शुभकामनाएँ दीं। यह एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता सत्र आयोजित

सीहोर(निप्र)। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (RKSK) अंतर्गत संचालित उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत शासकीय हाई स्कूल, ग्वालटोली, सीहोर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन उमंग स्वास्थ्य केंद्र, जिला चिकित्सालय सीहोर के किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता ममतेश राठौर द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास विकसित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर समय रहते परामर्श लेने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया गया। बताया गया कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद, नींद की कमी, पढ़ाई में एकाग्रता में कमी तथा आत्मविश्वास में गिरावट का कारण बन सकता है।

अवैध रेत परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी ग्राम मरोडा से रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रेक्टर-ट्रॉली जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सतत अभियान जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को ग्राम मरोड़ा तहसील इटारसी से रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रेक्टर-ट्रॉली जप्त की गई। जप्त वाहन को पुलिस अभिरक्षा में रामपुर गुर्रा थाने में खड़ा किया गया है। उक्त वाहन के विरुद्ध म. प्र. खनिज(अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) के प्रावधान अनुसार प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्यवाही की जा रही है।

नर्मदापुरम में दामिनी ऐप पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ग्राम पंचायत रोहना के स्कूल में छात्रों को दी गई आपदा से बचाव की जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार 'दामिनी ऐप' पर विशेष जन-जगरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से जिले के प्रत्येक गांव और घर तक आकाशीय बिजली से बचाव का संदेश पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत नर्मदापुरम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने गुरुवार को ग्राम पंचायत रोहना स्थित हाई स्कूल के प्रांगण में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाई स्कूल के विद्यार्थियों को दामिनी ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि दामिनी ऐप एक महत्वपूर्ण मोबाइल एप्लिकेशन है। यह ऐप बिजली गिरने की संभावित घटनाओं की पूर्व चेतावनी देता है। इससे लोग समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर जन-धन की हानि से बच सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं अपने मोबाइल में यह ऐप डाउनलोड करें और इसका उपयोग करें। साथ ही अपने परिवार, गांव और आसपास के लोगों को भी इसके बारे में जागरूक करें ताकि आपदा के समय अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बिजली गिरने से बचाव के उपाय, आपदा प्रबंधन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की और बताया कि सतर्कता ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और दामिनी ऐप से संबंधित कई प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर भी दिया गया।इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में आपदा सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना और जिले में बिजली गिरने से होने वाली दुर्घटनाओं को कम करना है।

कांग्रेस जनों द्वारा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार एवं प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी का स्वागत फोरलेन स्थित नर्मदा पुल पर किया

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश कांग्रेस के कद्दावर नेता उमंग सिंघार एवं प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी सड़क मार्ग से इटारसी कांग्रेस पदाधिारियों के कार्यक्रम में शामिल होने आए तब सबके 'प्रिय नेताओं का स्वागत किया दोनों नेताओं ने भाजपा की भ्रष्ट एवं निकम्मी सरकार को हर मोर्चे पर घेरने कों कहा और जनता के हितों के लिए हर जगह संघर्ष करने के निर्देश दिया ।

स्वागत काने वाले नेताओं में किसान कांग्रेस जिलाअध्यक्ष विजय बाबू चौधरी इटारसी नगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पंकज राठौर यशवंत सिंह ठाकुर विधानसभा प्रभारी पूर्व कार्यवाहक जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा सेवादल नगर अध्यक्ष सलीम खान नगरीय निकाय प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक अहिरवार आदिवासी विकास परिषद जिला अध्यक्ष अरुण प्रधान पूर्व पार्षद राजेंद्र दोहरे पूर्व प्रदेश कांग्रेस सचिव अजय शर्मा युवक कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष विशाल प्रधान युवा नेता आशिफ राइन शैलेन्द्र तोमर पूर्व नगर उपाध्यक्ष सेवादल प्रदेश सचिव दीपक सिसोदिया अनूसूचित जाति विभाग नगर अध्यक्ष ब्रजेश पटेल बंटी नगर कांग्रेस सचिव रवि अहिरवार दीपक कटारे लखनलाल यादव युवा नेता अंकित दुबे ए वार्ड अध्यक्ष संतोष अहिरवार अफ्राज खान, अरमान खान पारस पचौरी गोलू दिहारी सिराज खान रामसिंह राजपूत असलम खान आबिद हसन महेन्द्र गुजरे गफ्फार खान अवधेश तिवारी किसान नेता शहजाद खान दिलशान खान रेहान खान बी एस लिब्ले कर्वाहक जिलाध्यक्ष आदिवासी विकास परिषद विरसिंग बड़ीवा ब्लॉक अध्यक्ष एम एल परते नवल सरेयाम सुरेश सरेयाम धर्मेन्द्र मेसकर आनंद सिंह रामभरोस उइके महेन्द्र ठाकुर आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे ।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

छात्रों को शिक्षा का अधिकार, साइबर सुरक्षा और नि:शुल्क विधिक सहायता की दी गई जानकारी, 18 जुलाई को विशेष लोक अदालत आयोजित होगी

नर्मदापुरम (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमति तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में बुधवार को विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम् में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में जिला न्यायाधीश नर्मदापुरम श्री दिनेश कुमार नोटिया ने अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को शिक्षा का अधिकार, पॉक्सो एक्ट, श्रम कानून, यातायात सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में जागरूक किया। उन्होंने नेशनल लोक अदालत की भूमिका, मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधान और नालसा की टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी विस्तार से बताया। जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह ने नि:शुल्क विधिक सहायता की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक जीवन के लक्ष्य के प्रति गंभीर और सजग रहने का मार्गदर्शन भी दिया।शिविर में 18 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली 138 एन.आई.एक्ट बैंक प्रकरणों हेतु विशेष लोक अदालत के संबंध में जानकारी प्रदान की गयी। बताया गया कि पक्षकारगण अपने चैक बाउंस, 138 एन.आई.एक्ट के प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के आधार पर करा सकते है, जिससे कोर्ट फीस की वापसी एवं विवाद का हमेशा के लिए निराकरण किया जायेगा।शिविर में जिला न्यायाधीश श्री दिनेश कुमार नोटिया, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय सिंह, महाविद्यालय के प्राचार्य सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विधायक राय की प्रेरणा से सरपंच संघ जिलाध्यक्ष ने किया पौधारोपण

सीहोर (निप्र)। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पर्यावरण प्रेमी सुदेश राय की प्रेरणा से अब विधानसभा क्षेत्र के जन प्रतिनिधि भी जन्मदिवस के अवसर पर पौधारोपण को महत्व दे रहे हैं इसी श्रेणी में सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष भाजपा नेता एलम सिंह दांगी ने अपने जन्म दिवस शुक्रवार को किसी भी प्रकार का शोर शराबा नहीं करते हुए अपने समर्थकों के साथ विधायक सुदेश राय की विशेष उपस्थिति में शाहपुर कोडिया स्थित गौशाला परिसर में 101 पौधो का रोपण किया और ग्रामीण जनों को पर्यावरण संरक्षण अधिक से अधिक पौधारोपण पूर्व जन्म दिवस पर फिजूल खर्ची नहीं करने का पुनीत पावन संदेश दिया। जन्मदिवस कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता एलम सिंह दांगी ने कहा कि विधायक की प्रेरणा से एक पौधा प्रकृति के नाम एक संकल्प हरियाली के साथ कार्यक्रम हमारे द्वारा रखा गया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के विधायक जी के अभियान को सार्थक किया।

मलैया के निवास पर उमड़े कांग्रेसी एक जुटता पर दिया जोर

नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित

नर्मदापुरम(निप्र)। नगर कांग्रेस कमेटी नर्मदापुरम् के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह पूर्व जिला पंचायत सदस्य चन्द्रगोपाल मलैया के निवास पर आयोजित किया गया कांग्रेस नेता अमित खत्री ने आगामी नगरपालिका चुनाव जीतने पर जोर दिया वही अशोक अहिरवार ने सभी पदाधिकारियों से एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत बनाने का आव्हान किया वरिष्ठ नेता श्याम दुबे ने वार्ड एवं बूथ कमेटी के गठन में ईमानदार कर्मठ कार्यकर्ताओं में शामिल करने की बात कही इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनोखी राजोरिया अरुण दीक्षित श्याम दुबे नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश बाथरे विजेंद्र राजपूत कुलदीप राठौर प्रकाश यादव खुशबु मूलचंदानी रवि अहिरवार दिलीप अहिरवार जीतेन्द्र गोरेले राजीव नामदेव नीरज सैनी कांता मेहरा लखन रघुवंशी कीर्ति मिश्रा देवेंद्र रिठौरिया गौरव चौधरी सिराज खान मंडलम अध्यक्ष मीना वर्मा गुलाम हैदर मंजुल मणि ढिमोले तुकाराम यादव जागेश यादव रिजवान खान अफजल ज्योति मालवीय रामगोपाल मालवीय सौरभ राय सहित अनेक कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

कार्यालय प्राचार्य,प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैतूल (म.प्र.)
(NAAC द्वारा प्रदत्त ग्रेड 'A+') email:hegjhpgcbet@mp.gov.in

क्रं. 2067/क्रीड़ा/2026-27 बैतूल दिनांक 10/7/2026

विज्ञप्ति

महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग के लिये क्रीड़ा सामग्रियों का क्रय सत्र 2026-27 के लिए किया जाना है। क्रय हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा के उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट (http://www.highereducation.mp.gov.in/hi)एवं महाविद्यालय की वेबसाइट (www.jhgovtbetul.com) में प्रकाशित होने के दिनांक से 21 दिवस के भीतर अपनी निविदाऐं सील बंद लिफाफे में पोस्ट ऑफिस के माध्यम से (रजिस्ट्री/स्पीड पोस्ट एवं स्वयं के द्वारा) प्राचार्य, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस ज.हॉ.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैतूल को कार्यालयीन समय में प्राप्त हो जाना चाहिए। निर्धारित तिथि के उपरान्त प्राप्त होने वाली निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा से संबंधित संपूर्ण जानकारी उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट एवं महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डॉ. नीलिमा पीटर
वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
ज.हॉ.शास.स्ना.महाविद्यालय, बैतूल

डॉ. मीनाक्षी चौबे
प्राचार्य
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
ज.हॉ.शास.स्ना.महाविद्यालय, बैतूल

जी/15799/26 हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com